जबलपुर
मंगलवार 11 अगस्त 2026
- श्रावण मास कृष्ण पक्ष-13
- वर्ष : 21 अंक : 99
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सावन शिवरात्रि की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com

प्रदेश में 'धुआंधार' बारिश

राजगढ़ में उफनती पुलिया बनी काल

22 शहरों में भारी बारिश से हालात बिगड़े, भोपाल में महीने भर के कोटे की आधी बारिश 24 घंटे में

- सरकार ने की 4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा
- सीएम डॉ. यादव ने घटना पर शोक संवेदना जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़/सारंगपुर/भोपाल

प्रदेश में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। सबसे ज्यादा असर राजगढ़ में देखने को मिल रहा है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है, नदी-नाले उफान पर हैं। राजगढ़ जिले के सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र में करीब आठ घंटे हुई बारिश ने जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। इसी बीच पढ़ाना-तलेन मार्ग स्थित पढ़ाना बाइपास की पुलिया पर पानी के तेज बहाव में एक कार बह जाने से उसमें सवार एक ही परिवार के 9 लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो लोगों को ग्रामीणों ने किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मृतकों में चार मासूम बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने परिजन का इलाज कराने के लिए घर से निकला था, लेकिन रास्ते में आई बाढ़ ने परिवार के कई सदस्यों को काल के गाल में पहुंचा दिया।

कुंडलिया बांध के 6 गेट खोले

आगर मालवा में आसमान से बरस रही आफत ने जनजीवन की रफ्तार थाम दी है। नलखेड़ा तहसील क्षेत्र के ग्राम गोठड़ा के समीप बने कुंडलिया बांध के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा के चलते बांध के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सोमवार को बांध के 6 गेट खोले गए।

कलियासोत डैम में एक, केरवा में 3 और कोलार डैम में एक फीट पानी की बढ़ोतरी, बड़े तालाब का जल स्तर 1.9 फीट बढ़ गया है। अब यह 1661.5 फीट पर पहुंच गया

मरने वालों में 4 बच्चे भी शामिल

कार का क्रेन से रेस्क्यू

सर्वाधिक बारिश
- ब्यावरा के श्यामपुर में : 210 मिमी
- सारंगपुर : 190.8
- भोपाल 175.6

इलाज के लिए निकले परिवार की कार पानी के तेज बहाव में बही, 9 की मौत

पाठक सूचना
हरिभूमि सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026 का मास्टर कूपन कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

परेशान हेड कॉन्स्टेबल ने फांसी लगाई

सिंगरौली। जिले में पदस्थ स्पेशल ब्रांच के 35 वर्षीय हेड कॉन्स्टेबल राकेश गंगले ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से मिले सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि लंबे समय से ट्रांसफर न होने के कारण वे मानसिक तनाव में थे।

डंपर ने सड़क पर बैठी गायों को रौंदा, 5 की मौत

शिवपुरी। अमोला थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे बैठे मवेशियों के झुंड को बेरहमी से कुचल दिया। हादसे में पांच गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है।

संतों का प्रदर्शन, सड़क पर लेटे सांसद पप्पू यादव

नई दिल्ली। चढ़ावा चोरी की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सैकड़ों साधु-संतों ने पीएम आवास की ओर मार्च निकालने की तैयारी में थे। समर्थन में पहुंचे निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को पुलिस ने रोका तो वे सड़क पर ही लेट गए।

राहुल गांधी ने की छात्रों के खिलाफ हिंसा की निंदा

4 सुरक्षा घेरे तोड़े, पुलिस ने छात्रों पर वाटर कैनन के बाद लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले भी दागे

रांची में रण

दूसरा 'जंतर मंतर' बना रांची, खेतों के रास्ते नई विधानसभा में घुसे छात्र

जंतर मंतर के बाद अब जेन जी सड़कों पर आकर सरकार से अहिंसक तरीके से सीधे हिसाब-किताब मांग रहे हैं। झारखंड की राजधानी रांची इसका दूसरा उदाहरण बन गई है

एजेंसी ▶▶ रांची

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर सोमवार को राजधानी रांची दूसरे जंतर मंतर में तब्दील हो गई। पूरे झारखंड से आए हजारों छात्रों ने सुरक्षा के तमाम इंतजामों को ध्वस्त करते हुए नई विधानसभा का घेराव कर दिया। कंटीले तारों और भारी बैरिकेडिंग को दरकिनार कर प्रदर्शनकारी खेतों के रास्ते विधानसभा परिसर और उसके मुख्य गेट (गेट नंबर 1) तक जा पहुंचे। बेकाबू भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन की बौछारें कीं, आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर रुक-रुककर कई बार लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र चोटिल हो गए। सोमवार सुबह करीब 10:21 बजे पुरानी विधानसभा से तिरंगा हाथों में लिए छात्रों का मार्च शुरू हुआ।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो स्ट्रेचर से आए

रातभर विधानसभा के गेट पर अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान

देवेंद्र महतो की खुली चेतावनी मांगें पूरी करो वरना खतरे में पड़ जाएगी सीएम की कुर्सी

- सीएम आवास का घेराव करने निकले भाजपा विधायकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया
- जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते गिरफ्तार

वाटर कैनन की बौछार

विधानसभा के गेट पर छात्र

आखिर किस बात पर अड़ा है पेंच?

1. **परीक्षा रद्द करने की मांग:** छात्र जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को पूरी तरह रद्द करने और एजेंसी (टीडीपीएल) की भूमिका की निष्पक्ष जांच पर अड़े हैं।
2. **सीबीआई जांच पर जिद:** सरकार ने रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच और वित्तीय धांधली पर ईडी से जांच का प्रस्ताव दिया है, जिसे छात्रों ने खारिज कर सीबीआई जांच की शर्त रखी है।
3. **रिफॉर्म्स पर सहमति:** छात्रों के अनुसार, रिफॉर्म से जुड़ी 90% मांगों पर सहमति बन गई थी, लेकिन परीक्षा रद्द न करने के कारण गतिरोध कायम है।

स्ट्रेचर पर पहुंचे छात्र नेता बातचीत के दरवाजे बंद

पिछले 9 दिनों से अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो एंबुलेंस और स्ट्रेचर के जरिए मार्च का नेतृत्व करने पहुंचे। उन्होंने सरकार के साथ चौथे दौर की वार्ता से साफ इनकार करते हुए कहा कि हमारी आवाज दबाने के लिए वाटर कैनन और लाठियों का सहारा लिया जा रहा है।

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते गिरफ्तार

छात्रों के भारी बवाल और मार्च के बीच सीआईडी ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर टीडीपीएल की मिलीभगत से 14वीं पीटी परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरतने के गंभीर आरोप हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया बड़ा ऐलान

तीन राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल गठित होंगे, खंडवा में बनेगी पुलिस बटालियन

- बैगा, भारिया एवं सहरिया युवाओं की विशेष कंपनियां भी बनाई जाएंगी
- अब तक विभिन्न संवर्गों में 14 हजार 704 से अधिक अभ्यर्थियों का चयन

सीएम डॉ. यादव सम्मानित करते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि खंडवा में नई पुलिस बटालियन स्थापित की जाएगी। इसके साथ ही साथ प्रदेश में तीन राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल गठित किए जाएंगे। पहले चरण में एक बल गठित करेंगे। इसमें विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह (पीवीटीजी) में आने वाली बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातीय युवाओं की विशेष कंपनियां भी गठित की जाएंगी।

मप्र पुलिस देश की सबसे अच्छी पुलिस फोर्स में शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मप्र पुलिस देश की सबसे अच्छी पुलिस फोर्स में शामिल है। चंबल अंचल से दस्यु समस्या को खत्म किया और मध्यप्रदेश के सबसे पहले नक्सलवाद की समस्या से मुक्त कराया। पुलिस परंपरा में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल जैसे अनेकों नाम हैं, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी देश की सेवा कर रहे हैं। डोभाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए सराहनीय कार्य किए हैं।

छतरपुर में दिल दहला देने वाली वारदात

मां ने दो मासूमों संग कुए में लगाई छलांग, तीनों की मौत

प्रकाश बम्होरी गांव में पसरा मातम, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

जिले के प्रकाश बम्होरी थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां प्रकाश बम्होरी गांव में पारिवारिक विवाद से तंग आकर 21 वर्षीय महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी। इस हादसे में मां और उसके दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भगवती कुशवाहा (21) का घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

यूसीसी के खिलाफ प्रदेश में आर-पार

अब 16 से 20 अगस्त तक चलेगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद बोले आज मुस्लिम निशाने पर, कल अन्य समुदाय होंगे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किए जाने के खिलाफ विरोध के सुर तेज हो गए हैं। भोपाल में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद, इंदौर के मुफ्ती जुनैद और मौलाना माज ने 16 से 20 अगस्त तक राज्यव्यापी अभियान चलाने की घोषणा की है। मसूद ने कहा कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 25 द्वारा दिए गए।

जबलपुर की कांवर यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जबलपुर। अवधूत दादा गुरू के सानिध्य में आयोजित संस्कार कांवड़ यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने की पुष्पवर्षा कहा समस्त कांवडिये हमारे देवी-देवता तुल्य। पूज्य दादा गुरू जी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने लिया आशीर्वाद और कांवड़ लेकर यात्रा में हुए शामिल, डमरू भी बजाया। इतनी बड़ी संस्कार कांवड़ यात्रा देख मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी बोले इससे पूर्व मैने कभी नहीं देखी ऐसी कांवड़ यात्रा।

बालाघाट में गंदे पानी से गई 6 बच्चों की जान

जबलपुर मेडिकल कॉलेज की टीम ने की जांच, सैंपल पुणे की लैब में भेजे

बालाघाट। बालाघाट जिले के बैगा आदिवासी बहुल गांवों (अडोरी, कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका) में फैली महामारी से अब तक 1 से 13 साल के 6 बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चों के लगातार बीमार पड़ने से मचा हड़कंप देखने के बाद भोपाल तक प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया है और जबलपुर से विशेषज्ञों की टीम जांच के लिए पहुंची है।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज के महामारी विशेषज्ञ डॉ. रविंद्र विश्नोई और डॉक्टर्स की 5 सदस्यीय टीम के अनुसार, बच्चों में पोषण की कमी और दूषित पानी बीमारी की मुख्य वजह हैं। पोषण न मिलने से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) काफी कमजोर हो गई, जिससे वे आसानी से संक्रमण की चपेट में आ गए। शुरुआत में बच्चों के शरीर पर दाने, बुखार, मुंह में छाले, भूख न लगना और झटके आने जैसे लक्षण दिखे। बीमारी की सटीक पुष्टि के लिए सैंपल पुणे की लैब में भेजे गए हैं।स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में शिविर और अस्थायी अस्पताल बनाकर ग्रामीणों व बच्चों का इलाज शुरू किया है। वर्तमान में 47 बच्चे बैहर और बालाघाट

जिला अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 51 बच्चों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. परेश उपलप ने 6 बच्चों की मौत की पुष्टि करते हुए विस्तृत रिपोर्ट भोपाल भेज दी है। बीते 23 दिनों में दूसरी बार जबलपुर मेडिकल कॉलेज की टीम जांच के लिए बालाघाट आई है।

13 की उम्र में साम्राज्य को हिलाने वाली पूर्वोत्तर की 'रानी गाइदिन्ल्यू'

अद्वितीय वीरांगना

17 साल की आयु में उम्र कैद की सजा सुनाई गई पंडित नेहरु ने बहादुरी देख 'रानी' नाम दिया था

- गाइदिन्ल्यू ने घने जंगलों और पहाड़ों में छिपकर गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई थी
- गाइदिन्ल्यू ने अपनी जवानी के 14 साल अलग-अलग जेलों में बिताए

सेंट्रल डेस्क ▶▶ भोपाल

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की एक 13 साल की वीरांगना भी है जिसने न केवल अंग्रेजों का साम्राज्य हिला दिया बल्कि अपने जुझारुपन से पूरी दुनिया में प्रख्यात हो गईं। जब भारत से लेकर ब्रिटिश तक इस नाबालिग के नाम के चर्चे हुए तो खुद पंडित जवाहर लाल नेहरु उनसे मिलने के लिए उत्सुक हो गए।

असम के दुर्गम इलाके में गिरफ्तार किया था

गाइदिन्ल्यू ने घने जंगलों और पहाड़ों में छिपकर गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। अंग्रेजी सेना उन्हें पकड़ने के लिए वर्षों तक भटकती रही। उन्होंने समर्थकों को संगठित किया। हथियार जुटाए और एक समानांतर व्यवस्था खड़ी करने की कोशिश की, ताकि नगा लोग स्वशासन कर सकें।

आजादी के 25 साल बाद सम्मान मिला

अंग्रेजों ने रानी पर जुल्म और अत्याचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देश आजाद हुआ तब उन्हे जेल से रिहा गया गया। लेकिन उन्हे सम्मान देने में भी भारतीय हुकूमत ने करीब 25 साल लगा दिए।

मध्यप्रदेश शासन
भारतवर्ष की
चौदह विद्याएं चौंसठ कलाएं
बनी आधुनिक युग की शक्ति
भगवान श्रीकृष्ण
मेधावी छात्रवृत्ति योजना
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
प्रतियोगिता
महर्षि सांदीपनि, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित
छात्रवृत्ति राशि
प्रति छात्र
₹ 1, 00, 000
छात्रवृत्ति संख्या
102 विद्यार्थी (51 विद्यालय वर्ग +51 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय)
प्रारंभ तिथि
प्रतियोगिता की प्रारंभ तिथि 11 अगस्त, 2026
चयन प्रक्रिया
विजेताओं का चयन लॉटरी के माध्यम से
पात्रता
प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क
अंतिम तिथि
प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026
वितरण
छात्रवृत्ति वितरण मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर, 2026
D-11075/26
आयोजक
श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन
सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग
प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस, अन्य मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है। तीन हफ्ते के दौरान लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है। एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस के अलावा किसी और मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को लोकसभा में 3 अगस्त को पेश किया था। 6 अगस्त को लोकसभा ने ध्वनिमत से पारित किया। राज्यसभा में यह बिल सोमवार को पेश हुआ और आज ही बिल पारित कर दिया। बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 का मकसद बैंकों के रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के नियमों को मौजूदा डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था के हिसाब से अपडेट करना है। लोकसभा ने ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई। एनडीए संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक 11 अगस्त को संसद के पीएलबी बिल्डिंग में आयोजित की जाएगी।

राज्यसभा से पास हुआ 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस' बिल लोकसभा से बिना चर्चा ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल मंजूर

विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई सांसद इसमें शामिल हुए विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने सरकार के खिलाफ नारे लगाए

एनडीए की मंगल मिलन की बैठक आज पीएलबी में

हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित संसद के बाहर प्रदर्शन करते विपक्षी दल

संसद परिसर में विपक्ष ने किया प्रदर्शन

राम मंदिर के लिए जुटाए गए चंदे में कथित चोरी और छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई सांसद इसमें शामिल हुए विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उनके हाथों में सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लिखे पोस्टर थे। सांसदों ने 'चंदा चोर, गद्दी चोर' और 'अमित शाह जवाब दो' जैसे नारे लगाए।

जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करें: ओम बिरला

संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सदन में जारी गतिरोध पर चिंता जताई। उन्होंने फ्लोर लीडर्स से भावुक अपील करते हुए कहा कि जनता की आवाज सदन में सुनी जानी चाहिए। प्रश्नकाल चलने दें और अहम बिलों पर चर्चा करें।

लोकसभा में 4 बिल पेश हुए

लोकसभा में 4 बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं। इसके अलावा केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 भी पेश किए गए।

विपक्ष एफसीआरए बिल का करेगा विरोध

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस एफसीआरए संशोधन बिल का विरोध करेगी। एफसीआरए संशोधन बिल मानसून सत्र के आखिरी सप्ताह में लोकसभा में पेश हो सकता है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य विदेशी चंदे में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

शाह जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में जवाब देंगे

रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे यह नहीं बताया।

सरकार जरूरी चर्चा से बच रही: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार संसद को चलाने के लिए जरूरी चर्चा से बच रही है और विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे रही है। विपक्ष बहस चाहता है और उसकी मांग सिर्फ इतनी है कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के साथ कथित अन्याय और ज्यादती के मुद्दे पर सदन में बयान दें। खरगे ने कहा कि विपक्ष पिछले 17 दिनों से अमित शाह से सदन में आकर छात्रों के साथ हुए कथित अन्याय और ज्यादती पर बयान देने की मांग कर रहा है।

चढ़ावा चोरी पर भी दें बयान: अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि भी दो दिन बाकी हैं। सरकार के पास दोनों मुद्दों- अयोध्या राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी और छात्र आंदोलन पर चर्चा करने का समय है। भगवान राम को चढ़ाए गए चंदे में चोरी होना कोई सामान्य बात नहीं है। यह करोड़ों लोगों की आस्था का सवाल है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर इसका जवाब कौन देगा।

महाराष्ट्र के सूखे और प्याज पर चर्चा

पीएम मोदी से मिले एनसीपी-एसपी सांसद

एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी 8 सांसदों ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र से जुड़े सूखे और प्याज सहित अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक करीब 15 मिनट चली।

खबर संक्षेप

भारत मंडपम के पास 4 दिन ट्रैफिक प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत व्यापार महोत्सव के चलते 12 से 15 अगस्त तक भारत मंडपम के आसपास ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। यातायात पुलिस ने लोगों को पीक आवर्स के दौरान मथुरा रोड और भारों मार्ग से बचने की सलाह दी है।

जेएनयू में 'उमर को रिहा करो' के लगे नारे

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पूर्व छात्र उमर खालिद की पुस्तक 'फ्रैक्चरड कम्युनिटीज: आदिवासी हिस्ट्री एंड द पॉलिटिक्स ऑफ पावर' पर परिचर्चा के दौरान 'उमर खालिद को रिहा करो' के नारे लगे।

गोली मार दें, पर नहीं गाऊंगा पूरा वंदे मातरम

तिरुवनंतपुरम। केरल के कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि राज्य में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का पूरा संस्करण नहीं गाया जाएगा। केरल में हमेशा की तरह राष्ट्रगीत के केवल पहले दो अंतरा ही गाए जाएंगे। चाहे नरेन्द्र मोदी हमें गोली मारने की धमकी ही क्यों न दें।

एससी-एसटी में आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में जवाब

वर्षों से सामाजिक भेदभाव और अन्याय झेला आर्थिक पिछड़ेपन से तुलना करना ठीक नहीं

केंद्र सरकार ने कहा कि एससी और एसटी को आरक्षण देने का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समानता और न्याय स्थापित करना, ऐतिहासिक भेदभाव को समाप्त करना तथा सार्वजनिक जीवन में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करना है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' व्यवस्था लागू करने की मांग का विरोध किया है। सरकार ने कहा कि एससी-एसटी समुदायों ने वर्षों तक सामाजिक भेदभाव और अन्याय झेला है। उनकी स्थिति की तुलना केवल आर्थिक पिछड़ेपन से नहीं की जा सकती। सरकार ने यह भी कहा कि आरक्षण के नियम बदलने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है, अदालत के पास नहीं। केंद्र सरकार अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर अपना जवाब दे रही थी।

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि एससी और एसटी की पहचान के आधार और ओबीसी की पहचान के आधार अलग-अलग हैं। सरकार ने कहा कि एससी समुदाय छुआछूत जैसी ऐतिहासिक सामाजिक बुराइयों के कारण लंबे समय तक वंचित रहा है। वहीं एसटी समुदाय की पहचान उनकी खास संस्कृति, भौगोलिक अलगाव और पिछड़ेपन के आधार पर की जाती है। सरकार ने याचिका को 'गलत धारणा पर आधारित और गुण-दोष से रहित' बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से इसे खारिज करने की मांग की है।

आरक्षण के नियम बदलने का अधिकार सिर्फ संसद को

सामाजिक समानता स्थापित करना लक्ष्य

सरकार ने कहा कि ओबीसी की पहचान सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर की जाती है। एससी और एसटी को आरक्षण देने का उद्देश्य सामाजिक समानता और न्याय स्थापित करना, ऐतिहासिक भेदभाव को समाप्त करना तथा सार्वजनिक जीवन में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करना है।

मणिपुर हिंसा मामला: दो विशेष अदालतें बनेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर और असम की सरकारों समेत अन्य संबंधित अधिकारियों से 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा से जुड़े उन मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें बनाने पर विचार करने को कहा, जिनकी जांच सीबीआई और एनआईए कर रही हैं। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि जिन मामलों में आरोपपत्र दाखिल हो चुके हैं, उनकी जानकारी एक जगह जुटाई जाए।

संपन्न परिवार आरक्षण का लाभ ले रहे: याचिकाकर्ता

याचिका में कहा गया है कि एससी और एसटी वर्गों के भीतर आर्थिक रूप से संपन्न परिवार आरक्षण का ज्यादातर लाभ ले रहे हैं। इससे आरक्षण का लाभ इन्हीं परिवारों तक सीमित हो रहा है और सबसे अधिक वंचित लोगों को शिक्षा तथा सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। याचिका में सामाजिक और आर्थिक रूप से आगे बढ़ चुके लोगों को आरक्षण के लाभ से बाहर करने की मांग की गई है। जो लोग पहले ही सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके हैं, उन्हें आरक्षण देना सकारात्मक भेदभाव के उद्देश्य के विपरीत है। याचिका में सभी आरक्षित श्रेणियों में आय आधारित प्राथमिकता लागू करने की मांग की गई है। याचिका में अगस्त 2024 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी हवाला दिया गया है जिसमें एससी और एसटी के भीतर उप-वर्गीकरण की अनुमति दी गई थी। उस पीठ के 7 में से 4 जजों ने अपने फैसले में एससी और एसटी पर भी क्रीमी लेयर सिद्धांत लागू करने का सुझाव दिया था।

विदेश जा सकेंगे अभिषेक

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी को राहत दी है। शीर्ष कोर्ट ने उन्हें आंखों के इलाज के लिए तीन हफ्ते विदेश जाने की अनुमति दी। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने बेनर्जी की यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि वह एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे।

कावेरी जल विवाद मामला

'सुप्रीम' सुनवाई अब 13 अगस्त को होगी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई है। शीर्ष कोर्ट इस याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगा। पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वकील की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा, हम इसे गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

शिवसेना (यूबीटी) की याचिका पर सुनवाई दो हफ्ते टली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) की उस याचिका पर सुनवाई दो हफ्ते के लिए टाल दी, जिसमें उसके 6 सांसदों के महाराष्ट्र के उपसीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को लोकसभा अध्यक्ष की ओर से दी गई मंजूरी को चुनौती दी गई है। पीठ ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता अरविंद गणपत सावंत की ओर से दाखिल याचिका पर लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और अन्य संबंधित पक्षों को अभी तक जारी नोटिस की तामील नहीं हुई है।

टीएमसी कार्यकर्ता की मौत का मामला

सीएम ने दिए जांच के आदेश परिजनों को 10 लाख की मदद

जांच अधिकारी निलंबित

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को उत्तर 24 परगना जिले में कथित तौर पर पुलिस हिरासत में जान गंवाने वाले तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को सीएम राहत कोष से 10 लाख रुपये की मदद देने की भी घोषणा की। अधिकारी के साथ भाजपा विधायक अर्जुन सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और स्थानीय नेता भी मौजूद थे। मृतक के परिवार से मुलाकात के बाद सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हालीशहर थाने के प्रभारी निरीक्षक को क्लोज (जिम्मेदारी से हटाना) कर दिया है। मामले की जांच कर रहे अधिकारी को भी केओट की मौत के मामले में निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस लॉकअप में की पिटाई: पत्नी

कांचरापाड़ा नगरपालिका की पूर्व पार्षद जेनी शर्मा केओट के पति बिरजू केओट को जबरन वसूली और अन्य आरोपों के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। शनिवार को उनकी मौत की खबर सामने आई। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया कि पुलिस लॉक-अप के अंदर केओट की पिटाई की गई थी और इसी दौरान उनकी मौत हो गई। इस आरोप पर पुलिस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। बता दें, एक दिन पहले पूर्व सीएम ममता बेनर्जी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के मृतक कार्यकर्ता के हालीशहर स्थित घर पहुंची थीं। वहां उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा था। भीड़ ने उनकी गाड़ी को घेर लिया था। उनके खिलाफ 'चोर' के नारे लगाए गए थे। काफिले पर कीचड़ और चप्पलें भी फेंकी गई थीं।

ममता पर हमले में भाजपा का हाथ नहीं

इस मामले में पूर्व ममता बेनर्जी ने अपने काफिले पर कथित हमले में भाजपा कार्यकर्ताओं के शामिल होने का आरोप लगाया था। हालांकि, सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना में भाजपा की किसी भी भूमिका से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध ममता बनर्जी के खिलाफ 'लोगों के गहरे आक्रोश' को दिखाता है। उन्होंने यह भी कहा था कि पूर्व सीएम ने 'इतनी चोरी की है', इसलिए उन्हें लोगों से अपने लिए 'चोर' शब्द सुनना पड़ेगा।

'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा दशाश्वमेध घाट

कांवड़ में गंगाजल भरने उमड़ी शिवभक्तों की भीड़

प्रयागराज। सावन का महीना, भोलेनाथ की भक्ति और हर-हर महादेव के गूंजते जयघोष। संगम नगरी प्रयागराज का दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट इन दिनों पूरी तरह शिवमय नजर आ रहा है। जहां तक नजर जाती है, वहां केवल कांवड़िए ही कांवड़िए दिखाई देते हैं। गंगा तट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। हर कोई गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पवित्र गंगाजल अपनी कांवड़ में भर रहा है। शिवभक्त तीर्थ पुरोहितों से विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं और भगवान भोलेनाथ से अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून मेहरबान, मौसम बना खुशनुमा

कई इलाकों में झमाझम बारिश से बदला मौसम

गर्मी-उमस से मिली राहत कई इलाकों में जलभराव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश ने दिल्ली-एनसीआर के मौसम को खुशनुमा बना दिया है। मानसून की सक्रियता के चलते कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। हालांकि, बारिश ने उमस और गर्मी से बेहाल लोगों को बड़ी राहत दी है। अगले 5 दिन तक में हल्की बारिश होगी।

दिल्ली के कनॉट प्लेस का दृश्य

तेज हवाएं चलने की चेतावनी

भारतीय मौसम विभाग ने गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के गाजियाबाद से सटे कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और मध्यम से भारी बारिश की बहुत अधिक संभावना है।

सतर्क रहें लोग

लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है। तेज हवाओं और बिजली कड़कने के कारण खुले इलाकों में न निकलने, पेड़ों और होर्डिंग्स से दूर रहने तथा आवश्यक होने पर ही घर से बाहर जाने की अपील की गई है। यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है, इसलिए वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

नीमकाथाना में सर्वाधिक बारिश

राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जबकि सीकर और झालावाड़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में सीकर के नीमकाथाना में सर्वाधिक 85 मिलीमीटर बारिश हुई, जो भारी बारिश की श्रेणी में आता है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दो और लोगों की मौत के बाद बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 100 हो गई है, जबकि सात जिलों में करीब 1.4 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

असम-अरुणाचल सीमा पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, 8 घायल, 7 गंभीर

एजेंसी ▶▶ गुवाहटी

असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांव वाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई।

उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया। अधिकारी ने बताया कि बॉर्डर पार से आए बदमाशों ने असम के लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पातिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिगेश्वर पातिर, पामे पेगु, संजय तयुंग, उत्पल डोले और जान डोले के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को गोगामुख रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनमें से सात को गंभीर हालत में धेमाजी सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव बातचीत कर रहे हैं और पुलिस महानिदेशक भी तनाव कम करने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम पुलिस की मदद मौके पर पहुंच गई है। हमें स्थिति को शांत करने की जरूरत है। साथ ही, मैंने असम पुलिस को निर्देश दिया है कि किसी भी हालत में असम को अपनी एक इंच भी जमीन नहीं गंवानी चाहिए।

बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ हुआ विवाद

दोनों राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम अतिक्रमण और पुराने विवाद को लेकर हुआ

घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई

सीएम सरमा : असम एक इंच भी जमीन नहीं देगा ,पहले मामला शांत करना जरूरी

सीमा विवाद बना टकराव की वजह

फायरिंग के बाद भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया

यह नया टकराव असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच दशकों से चली आ रही सीमा की असहमति के बैकग्राउंड में हुआ है। दोनों राज्य बातचीत और सीमांकन के जरिए विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन बॉर्डर के कई इलाके अभी भी सेंसिटिव बने हुए हैं। इस घटना के बाद बॉर्डर एरिया में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

बॉर्डर पार कर भारत आए 20 बांग्लादेशी चाय बागान से किडनैप कर ले गए किसान

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक भारतीय चाय किसान के अपहरण से हड़कंप मच गया है। घटना राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान 35 वर्षीय दीपांकर गोप के रूप में हुई है, जो चौलहाटी सीमा गांव के तसर पाड़ा का रहने वाला है। दरअसल, परिवार का आरोप है कि दीपांकर को बांग्लादेशी बदमाशों ने बदले की कार्रवाई के तहत अगवा किया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले चौलहाटी सीमा पर एक बांग्लादेशी नागरिक ने तारबंदी काटकर भारत में घुसने की कोशिश की थी। स्थानीय ग्रामीणों और बीएसएफ जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। स्थानीय लोगों को आशंका है कि पकड़ा गया व्यक्ति किसी सक्रिय सीमा पार तस्करी गिरोह से जुड़ा हो सकता है। इसी घटना के बाद किसान के अपहरण को कथित बदले की कार्रवाई से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि मामले की जांच के बाद तस्वीर स्पष्ट होगी।

खबर संक्षेप

भारत ने बोलीविया भेजी 8 टन दवाइयां

नई दिल्ली। भारत ने ग्लोबल साउथ के अपने साझेदार देश बोलीविया को 8 मीट्रिक टन जरूरी और जीवनरक्षक दवाइयों की मदद भेजी है। इस मानवीय सहायता का उद्देश्य बोलीविया की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमेशा एकजुटता और साझा प्रगति के लिए सहयोग करने हेतु तत्पर है। यह कदम आपसी सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हत्या का आरोपी भारतीय छात्र जर्मनी में गिरफ्तार

बर्लिन। अमेरिका के एरिजोना में 19 वर्षीय प्रेमिका जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या के आरोपी 20 वर्षीय भारतीय छात्र वरुण बाचिगरी को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया है। विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र बाचिगरी 6 अगस्त को टक्सन में हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। टक्सन पुलिस, एफबीआई और बर्लिन स्थित एफबीआई ने वारंट जारी किया है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के बीच हुई घटना

स्लोवेनिया में भारतीय दूतावास पर हमले से भड़का भारत, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना स्थित भारतीय दूतावास परिसर को भारत विरोधी तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। भारत सरकार ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत किसी भी देश के राजनयिक परिसर की सुरक्षा और उसकी पवित्रता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस मामले को नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना, दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखा है। एमईए ने जोर देकर कहा कि इस तरह की निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऐसे समूहों द्वारा फैलाई जा रही घृणा और दुष्प्रचार का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब भारत और स्लोवेनिया अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। पिछले महीने भारतीय राजदूत अमित नारंग ने स्लोवेनिया के विदेश एवं यूरोपीय मामलों के मंत्री टोने काजर से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने बताया कि राजदूत ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का पत्र सौंपा और बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। 24 जून को सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज ने स्लोवेनिया के राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लिया था। उस मौके पर स्लोवेनिया ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर क्षेत्र में भारत के साथ खड़े रहने का वादा दोहराया था।

कानून के तहत राजनयिक को मिलनी चाहिए सुरक्षा

भारत और स्लोवेनिया के बीच राजनयिक संबंध 1992 से स्थापित

नफरत फैलाने वाले प्रचार से रहें सतर्क

मंत्रालय ने दूसरे देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से भी सतर्क रहने को कहा क्योंकि ऐसे समूहों द्वारा नफरत फैलाने वाला प्रचार और गलत जानकारी फैलाई जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अन्य जगहों पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी अपील करते हैं कि वे ऐसे समूहों द्वारा फैलाए जा रहे नफरत भरे प्रचार और गलत जानकारी पर ध्यान दें।

1992 से हैं राजनयिक संबंध

भारत और स्लोवेनिया के बीच राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए थे। ल्युब्ल्याना में भारतीय दूतावास 2007 से कार्यरत है। ऐसे में राजनयिक परिसर को नुकसान पहुंचाने की घटना को भारत ने बेहद गंभीरता से लिया है और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया है।

बीते माह स्लोवेनिया के विदेश मंत्री से मिले थे नारंग

आपको बता दें कि भारत और स्लोवेनिया इन दिनों अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी दिशा में स्लोवेनिया में भारत के राजदूत अमित नारंग ने राजनयिक और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए स्लोवेनिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री टोन काइजर से मुलाकात की थी।

भारत ने जोर शोर से उठाया मामला

अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत राजनयिक मिशनों को मिलने वाली सुरक्षा का जिक्र करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत, राजनयिक परिसरों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता और उनकी सुरक्षा की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने नई दिल्ली और ल्युब्लियाना, दोनों जगहों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के साथ यह मामला जोर-शोर से उठाया है ताकि दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए।

खालिस्तान समर्थकों ने किया हमला

स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना में स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले खालिस्तान समर्थक भारत विरोधी तत्वों ने भारतीय दूतावास की इमारत पर हमला कर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। दूतावास परिसर के बाहर स्वतंत्रता दिवस के विरोध और भारत विरोधी नारों वाले बोर्ड लगाए गए। इस घटना पर विदेश मंत्रालय ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए वियना कन्वेंशन का हवाला दिया, जिसके तहत राजनयिक परिसरों की सुरक्षा मेजबान देश की जिम्मेदारी होती है। भारत ने नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अधिकारियों के सामने मामला दर्ज कराकर दोषियों की पहचान और त्वरित कार्रवाई की मांग की है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को ऐसे नफरत फैलाने वाले समूहों से सतर्क रहने की हिदायत दी है।

पीएम रहमान के भारत आने पर संशय

कूटनीतिक संबंधः भारत की नेपाल के पीएम और बांग्लादेश के साथ हुई बैठक

नेपाल के प्रधानमंत्री शाह से मिले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात करते हुए दिनेश त्रिवेदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अब वेस्ट एशिया में अपने पड़ोशियों के साथ कूटनीति के नियम नए सिरे से लिखने लगा है। एक तरफ भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को काठमांडू में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से मुलाकात की। दूसरी तरफ बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। पद संभालने के बाद बालेन शाह ने पहली बार किसी विदेशी राजनयिक से वन-ऑन-वन मुलाकात की। शेख हसीना को लेकर बांग्लादेश की तल्खी और नेपाल में चीनी प्रभाव के बीच भारत से राजनयिक ये मुलाकात कर रहे हैं। नेपाल के पीएम के साथ बैठक में दोनों देशों के संबंधों के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई। बातचीत में द्विपक्षीय मित्रता, साझा हितों, विकास सहयोग और दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। राजदूत श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा, सोमवार सुबह नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भारत और नेपाल के बीच मजबूत और बहुआयामी साझेदारी को और गहरा करने पर सार्थक बातचीत हुई।

हसीना को लेकर बांग्लादेश ने जाहिर की थी नाराजगी

बांग्लादेश ने मीडिया के साथ हुई इस बातचीत पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस घटना से वहां के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध बेहतर बनाने की कोशिशों पर बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने हसीना को फरार और नरसंहार की अभियुक्त बताया। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने सात अगस्त को कहा था कि हसीना से जुड़े उस मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

कुल 30 लाख एनजीओ में से सिर्फ 14,450 पंजीकृत

एफसीआरए 2026: विदेशी फंडिंग पर सख्ती या सिर्फ पारदर्शिता?

भारत ने रुख स्पष्ट किया कहा- इससे कोई नुकसान नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि इसका मकसद विदेशी चंदे पर रोक लगाना नहीं, बल्कि वित्तीय प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने 'मिथक बनाम हकीकत' के जरिए स्पष्ट किया कि कानून का पालन करने वाली संस्थाओं को डरने की जरूरत नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, पंजीकृत संस्थाओं को मिलने वाला विदेशी चंदा 2010-11 के 1.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.67 अरब डॉलर हो चुका है।

विनय मोहन क्वात्रा

देश के 30 लाख से अधिक एनजीओ में से केवल 14,450 ही एफसीआरए में पंजीकृत हैं। यह नया संशोधन किसी विशेष धर्म या समुदाय को निशाना नहीं बनाता, बल्कि सभी पर समान रूप से लागू होता है।

विधेयक में पंजीकरण रद्द होने की स्थिति में एनजीओ और धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक नामित प्राधिकरण का प्रावधान है। पूजा स्थलों की गतिविधियां न रुकें, इसके लिए संपत्ति को उसी धर्म के दूसरे पंजीकृत संगठन को सौंपने की व्यवस्था की गई है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में भी विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने के लिए ऐसे ही सख्त कानून मौजूद हैं। दूसरी तरफ माना जा रहा है कि इससे काफी राहत भी होगी।

भारी बारिश के चलते रास्ता था बंद

राहतः सिक्किम की लाइफलाइन एनएच-10 एक महीने बाद खुली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सिक्किम को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाला और राज्य की लाइफलाइन कहा जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-10 एक महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद अब धीरे-धीरे आवाजाही के लिए खुल रहा है। 7 जुलाई को भारी बारिश के कारण हुए भीषण भूस्खलन से लगभग 250 मीटर लंबी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे यातायात ठप हो गया था। 19 जुलाई से जारी मलबा हटाने और मरम्मत कार्य के बाद अब गाड़ियों की नियंत्रित आवाजाही शुरू कर दी गई है। इस हाईवे के बंद होने से सिक्किम की ट्रांसपोर्ट, व्यापार और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हुई। वैकल्पिक रास्ते बेहद संकरे होने के कारण भारी वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया था। फिलहाल सड़क को रुक-रुक कर खोला जा रहा है ताकि निर्माण कार्य भी चलता रहे। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता हाईवे के नीचे तीस्ता नदी द्वारा किया जा रहा कटाव है, जिससे जमीन धंसने और सड़क कमजोर होने का खतरा बना हुआ है।

चमोलीःनाले में उफान से तमक पुल बहा, एक लापता

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में सोमवार को बादल फटने की घटना हुई। भारी बारिश के कारण नीती घाटी में बने तमक नाले में तेज उफान आया, जिससे नीती घाटी को जोड़ने वाला पुल भी बह गया। इसके अलावा बीआरओ के एक कर्मचारी के बहने की सूचना मिली है, जो अभी भी लापता है। सोमवार को दिन में हुई बारिश के कारण स्थानीय घरों और खेतों को भारी नुकसान पहुंचा है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि राहत बचाव दल को मौके पर भेज दिया गया है। नाले के आसपास रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।

लंबी दूरी के ड्रोन के जरिए हमलों को अंजाम दे रहा यूक्रेन

रूस के निजनेकाम्स्क शहर में ड्रोन हमला, 13 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर से युद्ध में तेजी देखने को मिल रही है। रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन की ओर से सोमवार को भीषण हमले किए गए। रूस के निजनेकाम्स्क शहर में यूक्रेन की ओर से सोमवार को किए गए ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। तातारस्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही लंबी दूरी के ड्रोन के जरिये रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा हुई है, तेल शोधन क्षमता प्रभावित हुई है और आम जनता में चिंता बढ़ी है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कहना है कि यह अभियान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर आने और चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। तातारस्तान प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव के प्रेस सेवा कार्यालय के मुताबिक, निजनेकाम्स्क शहर में सोमवार सुबह औद्योगिक और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाकर ''बड़ा'' ड्रोन हमला किया गया। यूक्रेनी अधिकारियों ने फिलहाल इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। निजनेकाम्स्क यूक्रेन की सीमा से करीब 1,200 किलोमीटर पूर्व में स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2.40 लाख है।

निजनेकाम्स्क यूक्रेन की सीमा से करीब 1,200 किलोमीटर पूर्व में स्थित

जहां हमला हुआ है वहां की आबादी करीब ढाई लाख

जेलेंस्की ने कहा-माकूल जवाब दिया जा रहा है

निजनेकाम्स्क शहर में हमले के बाद हुआ धुआं ही धुआं

जेलेंस्की ने रविवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम पूरी तरह से उचित जवाब दे रहे हैं और रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा। रूस के युद्ध का असर अब अपने ही घर यानी रूस में अधिक से अधिक महसूस किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस युद्ध के जारी रहने का एकमात्र कारण यह है कि रूस इसे समाप्त नहीं करना चाहता।

तेल शोधन केंद्र को बनाया ड्रोन से निशाना

हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने किस चीज को निशाना बनाया, लेकिन यह शहर रूस का एक अहम तेल शोधन केंद्र है, जहां दो बड़ी रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र मौजूद हैं।

ड्रग्स-हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़

7 तस्करों को किया गिरफ्तार, 10 पिस्तौल 1.054 किलो हेरोइन व ड्रोन भी बरामद

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से नशे और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 अवैध पिस्तौल, 1 किलो 54 ग्राम हेरोइन, 5 जिंदा कारतूस और एक ड्रोन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के तार पाकिस्तान में बैठे नशा तस्करों और विदेशों में बैठे गैंगस्टरों से जुड़े हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस कमिश्नर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पहले मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 1 किलो 54 ग्राम हेरोइन, कारतूस और ड्रोन बरामद हुआ। वहीं, दूसरे मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 10 अवैध पिस्तौल बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और वे हत्या की वारदात को अंजाम देने के साथ-साथ हथियारों की सप्लाई और लूटपाट जैसी वारदातों की तैयारी में थे। पुलिस की समय रहते कार्रवाई से संभावित वारदात को टाल दिया गया।

संस्कार कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, दादा गुरु के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उठाई कांवड़

नर्मदा के हर कंकर में शंकर, संस्कार कांवड़ यात्रा में गूंजा भक्ति का जयघोष

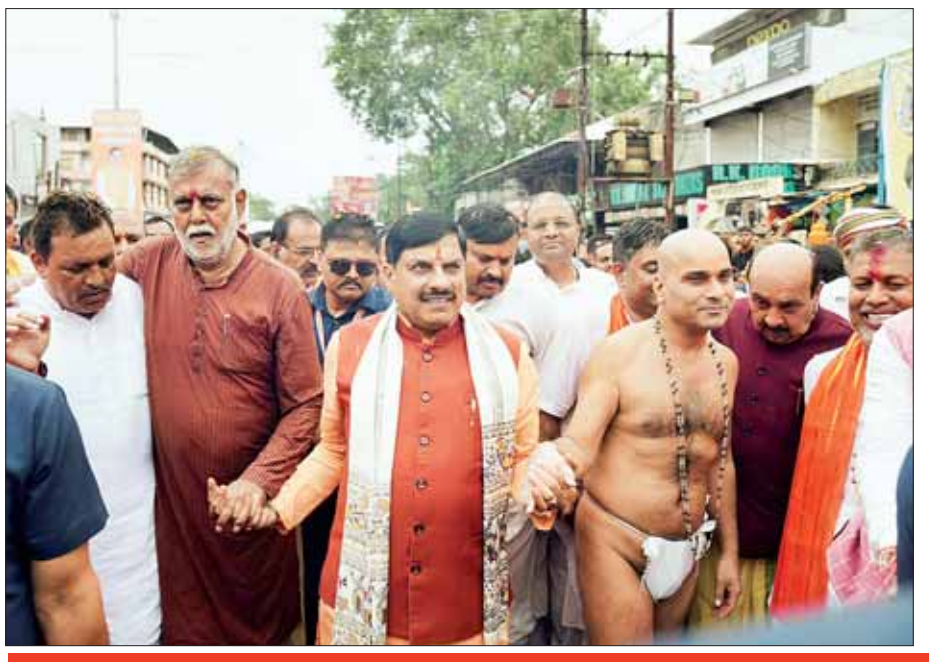

सनातन संस्कृति की धारा मजबूत कर रही सरकारः मुख्यमंत्री

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर सोमवार को आस्था के महासैलाब की साक्षी बनी, जब मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर हजारों कांवड़ यात्री भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के संकल्प के साथ संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए और पूज्य दादा गुरु के साथ कुछ दूरी तक कांवड़ उठाकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि "जहां तक नजर जाती है, वहां तक कांवड़ ही कांवड़ दिखाई दे रही हैं। इतनी विशाल कांवड़ यात्रा मैंने पहले कभी नहीं देखी।"

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा की नगरी से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करने के लिए निकली यह यात्रा भक्ति, साधना और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "नर्मदा के हर कंकर में शंकर" हैं और मां नर्मदा की कृपा से ही श्रद्धालु पवित्र जल लेकर शिव आराधना के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

दादा गुरु के साथ कांवड़ उठाकर बढ़ाया उत्साह

मुख्यमंत्री ने सरकार के मुखिया के रूप में संस्कार कांवड़ यात्रा में सहभागिता की। उन्होंने पूज्य दादा गुरु के साथ कांवड़ उठाई और यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। संतों का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी तपस्या और साधना समाज के लिए प्रेरणादायी है। दादा गुरु के तप, साधना, संकल्प और आशीर्वाद से सभी के जीवन में मंगल की कामना की।

सनातन संस्कृति को मजबूत करने पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। सनातन संस्कृति की धारा को और मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के देवस्थलों को उनकी गरिमा और गौरव के अनुरूप विकसित करने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों में सनातन संस्कृति की मजबूत उपस्थिति है। हमारे देवस्थान आत्म-अनुशासन, सकारात्मकता और जीवन में उन्नति की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल सभी कांवड़ यात्रियों, जबलपुरवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। यात्रा के अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदु', डॉ. अभिलाष पांडेय, नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं संस्कार कांवड़ यात्रा के संयोजक शिव यादव मौजूद रहे।

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव

चौथे दिन सात प्रत्याशी एलिमिनेट, अब तक 35 बाहर

द्वितीय चरण की मतगणना जारी, पुरुषों में विवेक सिंह और महिलाओं में अन्नू पटेल को बढ़त

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन-2026 की मतगणना में सोमवार को एलिमिनेशन राउंड का चौथा दिन पूरा हुआ। सोमवार को सात प्रत्याशियों को एलिमिनेट किया गया। इसके साथ ही अब तक कुल 35 प्रत्याशी एलिमिनेशन राउंड से बाहर हो चुके हैं। मतगणना का द्वितीय चरण जारी है और एलिमिनेट प्रत्याशियों के मतपत्रों में दर्ज मतों को निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को अंतरित किया जा रहा है।

सोमवार को एलिमिनेट होने वाले प्रत्याशियों में प्रत्याशी क्रमांक 38 गायत्री सुर्वे (ग्वालियर), 45 कैलाश सिंह पटेल (सागर), 79 राजेन्द्र कुमार जायसवाल (सीधी), 16 अर्पित मुदगल शर्मा (भिंड), 114 स्वदीप सिंह (रीवा), 49 लक्ष्मी मीना (भोपाल) और 11 अनीता कैथवास (जबलपुर) शामिल हैं।

मतों के अंतरण से बदल सकता है समीकरण

एलिमिनेशन के बाद संबंधित प्रत्याशियों के मतपत्रों में दर्ज द्वितीय वरीयता के मतों को पात्र प्रत्याशियों के खाते में अंतरित किया जा रहा है। मतों के इस अंतरण के साथ ही प्रत्याशियों की स्थिति में बदलाव की संभावना बनी हुई है। निर्वाचन प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ मुकाबला अब प्रमुख दावेदारों के बीच सिमटता जा रहा है।

पुरुषों में विवेक सिंह आगे

निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार सोमवार तक पुरुष प्रत्याशियों में विवेक सिंह, आरके सिंह सैनी, अखिलेश कुमार सक्सेना, नरेन्द्र कुमार जैन और जय हार्डिया बढ़त बनाए हुए हैं। महिला प्रत्याशियों में अन्नू पटेल, प्रवीण तिवारी, प्रतीका पाठक, रश्मि ऋतु जैन और अंजना कुरारिया आगे चल रही हैं। मतगणना अभी जारी है, इसलिए वर्तमान बढ़त को अंतिम परिणाम नहीं माना जा सकता। प्रत्येक एलिमिनेशन के बाद मतों के अंतरण से प्रत्याशियों की स्थिति बदल सकती है।

जिला न्यायालय गेट पर चाकू लेकर खड़ा युवक गिरफ्तार

जबलपुर। जिला न्यायालय के गेट नंबर-03 के पास संदिग्ध हालत में धारदार मछलीनुमा चाकू लेकर खड़े युवक अनमोल जैन, निवासी गोरखपुर, को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस को देखकर युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में चाकू बरामद हुआ,। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन देशी पिस्टल और कारतूस के साथ हथियार तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। लार्डगंज पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में लिप्त एक 21 वर्षीय युवक प्रेमलाल उर्फ संदीप सोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तीन देशी पिस्टल, तीन कारतूस और एक हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 9 अगस्त की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि जेडीए बिल्डिंग, शताब्दीपुरम के पास एक युवक अवैध पिस्टल लेकर खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। तलाशी में उसके पास कपड़े के थैले से दो पिस्टल और जींस में छिपाकर रखी एक पिस्टल व तीन कारतूस मिले।पूछताछ में आरोपी ने हथियार लकी पटेल से खरीदना और पूर्व में भी उससे हथियार लेकर बेचने की बात बताई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और संगठित अपराध से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है।पुलिस के मुताबिक लकी पटेल के खिलाफ फायर आर्म्स, विस्फोटक पदार्थ, हत्या के प्रयास और अवैध वसूली सहित करीब 20 मामले दर्ज हैं। उसकी आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए कुछ दिन पहले ही उसे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भेजा गया है।

बार से बेंच तक का सफर अब मिला न्याय का दायित्व

ओपन माइंड, पेशेंस, डिग्निटी व रिस्पेक्ट के साथ करूंगा हर केस की सुनवाई

जबलपुर। नवागत न्यायमूर्ति अमित लाहोटी ने कहा- हाई कोर्ट जज का पद संवैधानिक ट्रस्ट, न्याय की आस रखने वालों के लिए अदालत अंतिम केंद्र जबलपुर ।वकालत के अनुभव से न्यायाधीश की संवैधानिक जिम्मेदारी तक पहुंचे अमित लाहोटी के लिए सोमवार का दिन केवल शपथ ग्रहण का अवसर नहीं, बल्कि दायित्व के एक नए अध्याय का आरंभ था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि बार से बेंच में स्थान मिलना महज पद परिवर्तन नहीं है। इसके साथ गहन दायित्वबोध भी जुड़ता है। हाई कोर्ट जज का पद संवैधानिक ट्रस्ट का पद है, क्योंकि न्याय की अपेक्षा रखने वाले व्यक्ति के लिए अदालत उसकी आशा का अंतिम केंद्र होती है।

कोर्ट रूम नंबर-एक में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा, मैं वचनबद्ध हूं कि हर केस की सुनवाई ओपन माइंड, पेशेंस, डिग्निटी और रिस्पेक्ट के साथ करूंगा। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखूंगा।

न्यायमूर्ति लाहोटी ने अपने माता-पिता के संस्कारों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता ने हमेशा सिखाया कि परिस्थितियां अनुकूल हों तो धरातल पर रहना चाहिए और जब परिस्थितियां विपरीत हों तो पूरी ताकत के साथ उनका सामना करना चाहिए। उनके इस मार्गदर्शन को वह न्यायाधीश के रूप में भी अपने आचरण का आधार बनाएंगे।

बार को दिया निर्माण का श्रेय

न्यायमूर्ति लाहोटी ने अपने संबोधन में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, ग्वालियर के प्रति विशेष कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संस्था ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया और उनके व्यक्तित्व के निर्माण में उसकी भूमिका अविस्मरणीय रही है। बार से बेंच तक पहुंचे न्यायमूर्ति लाहोटी के संबोधन में अपने पेशेवर सफर के प्रति कृतज्ञता और न्यायिक दायित्व के प्रति संकल्प, दोनों स्पष्ट दिखाई दिए।

एसीजे विवेक रूसिया ने दिलाई शपथ

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया ने कोर्ट रूम नंबर-एक में न्यायमूर्ति अमित लाहोटी को अतिरिक्त न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। इससे पूर्व रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह ने उनकी नियुक्ति संबंधी पत्र का वाचन किया। समारोह में असिस्टेंट सालिसिटर जनरल सुनील जैन ने केंद्र शासन, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने राज्य शासन, अतिरिक्त महाधिवक्ता हितेंद्र एस. कुशवाहा ने मप्र स्टेट बार काउंसिल, अमित जैन ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के कार्यकारी अध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष तथा उमाकांत शर्मा ने सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में न्यायमूर्ति अमित लाहोटी के व्यक्तित्व और कृतित्व को रेखांकित किया।

ट्विशा शर्मा डेथ केस

सास पूर्व जज गिरिबाला की जमानत पर सुनवाई टली

जबलपुर। भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में आरोपी सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह की नियमित जमानत अर्जी पर सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच के समक्ष प्रकरण का नंबर नहीं आ पाने के कारण सुनवाई टल गई। अब 12 अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है। गिरिबाला सिंह ने भोपाल की ट्रायल कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद हाई कोर्ट में नियमित जमानत अर्जी दायर की है। भोपाल कोर्ट ने 25 जुलाई को उनकी जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी। इधर, मृतका ट्विशा शर्मा के पिता ने आरोपी सास की जमानत का विरोध करते हुए हाई कोर्ट में आपत्ति आवेदन पेश किया है। जमानत अर्जी के साथ उनके आपत्ति आवेदन पर भी सुनवाई होनी है। उल्लेखनीय है कि ट्विशा शर्मा की मौत से जुड़े इस मामले में गिरिबाला सिंह आरोपी हैं। ट्रायल कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया है। अब हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई में बचाव पक्ष जमानत के पक्ष में और मृतका के पिता की ओर से आपत्ति के समर्थन में पक्ष रखा जाएगा।

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस अनिवार्यता को चुनौती पर फैसला सुरक्षित

जबलपुर। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर हाईकोर्ट में अब यह सवाल केंद्र में है कि सरकारी काम के लिए कर्मचारी को अपने निजी संसाधन इस्तेमाल करने के लिए बाध्य किया जा सकता है या नहीं। शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्य किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई पूरी कर जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। अमरपाटन, सतना निवासी सतेन्द्र सिंह तिवारी की ओर से दायर याचिका में बताया गया कि ई-अटेंडेंस दर्ज करने के लिए शिक्षकों को अपने निजी मोबाइल फोन और इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने तर्क दिया कि सरकारी व्यवस्था संचालित करने की जिम्मेदारी शासन की है। इसके लिए कर्मचारियों को निजी मोबाइल, इंटरनेट अथवा अन्य व्यक्तिगत संसाधन उपलब्ध कराने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। याचिका में व्यक्तिगत डिजिटल जानकारी के इस्तेमाल से जुड़ा पहलू भी उठाया गया है। ऐसे में मामला केवल उपस्थिति दर्ज कराने की तकनीकी व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गया है। ई-अटेंडेंस से जुड़े एक अन्य मामले में हाई कोर्ट के आदेश के बाद तकनीकी कारणों से हाजिरी दर्ज नहीं हो पाने वाले शिक्षकों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गई है। अब मुख्य याचिका के फैसले से ई-अटेंडेंस लागू करने की जिम्मेदारी और कर्मचारियों के निजी संसाधनों के इस्तेमाल की सीमा स्पष्ट हो सकती है।

धन्वंतरि नगर के ब्लिंकिट स्टोर से 12 हजार रुपए का घी जब्त

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने लिए घी के नमूने

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कार्रवाई जारी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार सोमवार को धन्वंतरि नगर स्थित ब्लिंकिट स्टोर का निरीक्षण कर गोवर्धन घी का नमूना लिया गया तथा करीब 12 हजार रुपए कीमत का गोवर्धन घी जब्त किया गया। इसी क्रम में ग्रीन सिटी स्थित राहुल सेल्स से पारस घी तथा अधारताल स्थित विशाल मेगा मार्ट से प्योर बेस्ट एवं नमस्ते इंडिया ब्रांड के घी के नमूने लिए गए। विशाल मेगा मार्ट से ब्राउन चना एवं मिर्च पाउडर के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कुल छह नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिव मंदिर बाबाताल में पार्थिव शिवलिंग निर्माण

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भी बम-बम-भोले से गूंजे शिवालय

सिहोरा। श्रावण मास के दुसरे सोमवार को भी सभी शिवालयों में दिनभर बम बम भोले कि गूंज होती रही। सुबह से ही शिव मंदिर बाबाताल में ब्राह्मण समाज सिहोरा के तत्वावधान में आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण में जहां सभी वर्ग की महिलाओं बच्चों युवतियों ने पूर्ण श्रद्धा भक्ति भाव के साथ पार्थिव शिवलिंग बनाकर उनका अभिषेक किया।

वहीं मंदिर में भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने सुबह से ही शिव भक्तों का तांता लगा रहा सुबह 7 बजे से चल रहे आयोजन में दोपहर बारह बजे तक ही सारी कोपर पार्थिव शिवलिंग निर्माण से भर चुकी थी। फिर पंडित अरुण कुमार मिश्रा ने सभी कोपरो में बने शिवलिंग का विधिवत अभिषेक पूजन कराया तदपश्चात सभी का हिरन नदी नृसिंह मंदिर घाट में विधिवत विसर्जन किया गया। इसके अलावा नगर उपनगर के अन्य शिव मंदिरों में भी भक्तों ने पूजन अर्चन कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्राह्मण समाज के संरक्षक अश्वनी कुमार पाठक,नंदकिशोर परौहा,जय प्रकाश दुबे,अध्यक्ष राकेश पाठक,महामंत्री प्रवीण कुररिया,सुरेन्द्र तिवारी,गोपाल पाठक,नरेन्द्र त्रिपाठी,राजकिशोर तिवारी,संजू दुबे,राजकुमार तिवारी, सतेन्द्र तिवारी, प्रशांत बाजपेयी,आरती तिवारी,संतोष बर्मन, प्रमोद बर्मन आदि भक्तों का सराहनीय योगदान रहा।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर नृसिंह मंदिर रोड वार्ड नंबर 16 महाकाली महागौरी समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि श्रावण मास में अखंड रामायण पाठ और रामचरितमानस का पाठ करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं इसी उद्देश्य को लेकर यह आयोजन किया जा रहा है।समिति के गोली तिवारी ने बताया समिति के पदाधिकारी विगत कई वर्षों से पवित्र श्रावण मास में अखंड रामायण पाठ का आयोजन करते आ रहे हैं जिसमें सभी का सहयोग प्राप्त होता है।

एनएच 30 पर लापरवाही की कीमत चुका रहे बेजुबान

बड़े वाहनों से रोजाना कुचल रहे मवेशी, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

जबलपुर। पनागर-कटनी राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर सड़क के बीच बैठे मवेशी हादसों का कारण बन रहे हैं। डेयरी क्षेत्र इमलिया-परियट समेत अन्य स्थानों पर हाईवे का हिस्सा मवेशियों के लिए लगातार जानलेवा साबित हो रहा है। आए दिन तेज रफ्तार और भारी वाहनों की चपेट में आने से मवेशियों की मौत हो रही है। इसके बावजूद सड़क से मवेशियों को हटाने के लिए अब तक कोई स्थायी व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। सोमवार सुबह इमलिया-परियट के पास एनएच 30 पर एक दर्जन से अधिक मवेशी सड़क के बीचों-बीच बैठे नजर आए। इस दौरान हाईवे से लगातार वाहनों की आवाजाही होती रही। सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार वे खुद सड़क से मवेशियों को हटाते हैं, लेकिन संबंधित विभाग, नगर निगम और पंचायत स्तर पर समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

रात में बढ़ता हादसों का खतरा– स्थानीय लोगों के मुताबिक रात के समय यह समस्या और गंभीर हो जाती है। अंधेरे में सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को दूर से दिखाई नहीं देते। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन उनकी चपेट में आ जाते हैं। लोगों का कहना है कि यदि मवेशियों के सींगों पर रेडियम लगाया जाए, तो वाहन की रोशनी पड़ने पर वे दूर से ही दिखाई दे सकते हैं और हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

पहले भी उठ चुका यह मामला–एनएच 30 पर मवेशियों के कारण होने वाले हादसों और उनकी मौत को लेकर पहले भी कई बार मामला सामने आ चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को होने के बावजूद अब तक कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। हाईवे के आसपास मवेशियों के जमावड़े को रोकने के लिए नियमित अभियान चलाने की जरूरत है।

नगर पालिका, निगम भेजें कर्मी– इस मामले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पंचायत की ओर से फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है, वह नगर पालिका और नगर निगम के क्षेत्र वाला इलाका है। नगर पालिका और निगम प्रशासन चाहे तो सुबह और शाम वाहन के साथ हांका गैंग भेजकर मवेशियों को नियमित रूप से सड़क से हटवा सकता है।

सनातन चौक का होगा सौंदर्यीकरण

विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने दिए तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश

जबलपुर। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय से सौजन्य भेंट कर सनातन चौक के सौंदर्यीकरण तथा उसे शहर के सबसे सुंदर और आकर्षक चौक के रूप में विकसित किए जाने की मांग रखी। विधायक डॉ. पाण्डेय ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सनातन चौक पर आम नागरिकों, विशेषकर विद्यालय एवं महाविद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक बस स्टॉप का निर्माण कराया जाएगा, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से वाहनों की प्रतीक्षा करने की सुविधा मिल सके। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से सनातन चौक शहर की पहचान के रूप में स्थापित होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर सनातन संरक्षण संघ के संस्थापक महेश मिश्रा, संयोजक अजय पटेल (पिंटू), कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश चौबे तथा महामंत्री डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहीद उधम सिंह को दी श्रद्धांजलि युवाओं से देशभक्ति का आह्वान

जबलपुर। अमर शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को शहीद भगत सिंह युवा विचार मंच द्वारा कटंगा स्थित भगत सिंह चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहीद उधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया, सचिव डिम्पी बिंद्रा ने बताया कि शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी माइकल ओडायर को इंग्लैंड में दंडित कर अद्वितीय देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था, उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए समर्पित कर मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टीटू, सचिव डिम्पी बिंद्रा, काके आनंद, रजिन्दर सिंह छाबड़ा, रविन्दर सिंह चाना, पम्मी चड्ढा, गुरुप्रीत सिंह, रंजीत ठाकुर, संजू पाठक, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत, रामा भाई, राजू हैरी सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

रीढ़ की हड्डी में 13 सेमी के दुर्लभ ट्यूमर को निकालने में न्यूएरा हॉस्पिटल को मिली सफलता

नागपुर। न्यूएरा हॉस्पिटल, लकड़गंज, नागपुर के न्यूरोसर्जरी विभाग ने 20 वर्षीय युवक की रीढ़ की हड्डी में स्थित करीब 13 सेंटीमीटर लंबे दुर्लभ ट्यूमर को 'एन ब्लॉक एक्सिशन' तकनीक से सफलतापूर्वक निकालकर महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि हासिल की है। ट्यूमर रीढ़ की हड्डी के डी-9 से एल-3 (D9-L3) हिस्से में स्थित था। सर्जरी के बाद मरीज की न्यूरोलॉजिकल कार्यक्षमता सुरक्षित है और वह अपने पैरों पर चलने में सक्षम है। मरीज कई वर्षों से कमर दर्द, दोनों पैरों में दर्द, झनझनाहट, सुन्नपन, कमजोरी तथा बार-बार पेशाब आने जैसी समस्याओं से पीड़ित था। जांच में विशाल इंट्राड्यूरल स्पाइनल ट्यूमर का पता चला। हिस्टोपैथोलॉजी जांच में इसे मिक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमा पाया गया। जटिल सर्जरी के दौरान छह स्तरों पर लैमिनोटॉमी के बाद लैमिनोप्लास्टी की गई। इसके पश्चात माइक्रोसर्जिकल तकनीक एवं अत्यंत सावधानी के साथ ट्यूमर को एक ही हिस्से में पूरी तरह निकाला गया। इस दौरान रीढ़ की स्थिरता एवं तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता को

सुरक्षित रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। अस्पताल के अनुसार उपलब्ध वैश्विक चिकित्सा साहित्य में विशाल इंट्राड्यूरल स्पाइनल ट्यूमर की 'एन ब्लॉक एक्सिशन' के अब तक केवल कुछ ही मामले दर्ज हैं। 12 सेंटीमीटर से बड़े डोर्सोलंबर ट्यूमर की इस तकनीक से सर्जरी का प्रकाशित विवरण उपलब्ध नहीं होने के कारण न्यूएरा हॉस्पिटल की यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय मानी जा रही है।

सर्जरी न्यूएरा हॉस्पिटल के निदेशक एवं वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. निलेश अग्रवाल के नेतृत्व में हुई। टीम में कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन डॉ. विशाल पिशे, न्यूरोसर्जन डॉ. आदित्य अटल, न्यूरोफिजिशियन डॉ. अभिषेक वानखेड़े एवं डॉ. अंकित पंजवानी शामिल रहे। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. साहिल बंसल एवं डॉ. नेहा नकाडे सहित ऑपरेशन थिएटर के नर्सिंग एवं तकनीकी स्टाफ ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. निलेश अग्रवाल ने कहा कि इतने बड़े स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर की एन ब्लॉक एक्सिशन सर्जरी अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी। टीम का उद्देश्य ट्यूमर को पूरी तरह निकालने के साथ रोगी की तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता और रीढ़ की स्थिरता को सुरक्षित रखना था। उन्होंने बताया कि मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुका है और उसकी नियमित निगरानी जारी है। डॉ. विशाल पिशे ने सर्जरी को अत्यंत सटीकता एवं धैर्य की मांग करने वाला बताया। डॉ. आदित्य अटल ने माइक्रोसर्जिकल तकनीक, सटीक योजना एवं टीमवर्क को सफलता का आधार बताया। वहीं डॉ. अभिषेक वानखेड़े एवं डॉ. अंकित पंजवानी ने बहु-विषयक टीम के समन्वय और निरंतर न्यूरोलॉजिकल मॉनिटरिंग को महत्वपूर्ण बताया। इस उपलब्धि के साथ न्यूएरा हॉस्पिटल ने मध्य भारत में उन्नत न्यूरोसर्जरी एवं स्पाइन उपचार के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता को रेखांकित किया है।

कर्मचारी एरियर्स राशि से वंचित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तीन प्रतिशत मंहगाई भत्ता फरवरी माह में बढ़ाया गया था, जिसके एरियर्स की राशि का भुगतान 6 समान किस्तों में प्रदान किया जाना था, परंतु लोक सेवकों को आज दिनांक तक एक भी किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन ने बताया की संकुल प्राचार्यों के द्वारा एरियर्स की राशि के बिल बनाकर बी.ई.ओ. कार्यालय में जमा नहीं किए गए जिससे आज दिनांक तक लोक सेवक एरियस की राशि प्राप्त करने से वंचित हैं जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। अतः संगठन कलेक्टर से मांग करता है कि बढ़े हुए डी.ए. के एरियर्स की राशि प्रदान करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आदेशित किया जाए।

मझौली में यूरिया के लिए किसानों की लंबी कतारें दिनभर इंतजार के बाद भी नहीं मिल रही खाद

मझौली। शासकीय कृषि केंद्र मझौली में यूरिया खाद के लिए किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान तड़के 4 बजे से ही केंद्र के बाहर कतार में लग रहे हैं, लेकिन दिनभर इंतजार के बाद भी कई किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। किसान आधार कार्ड एवं बही की फोटोकॉपी लेकर घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं।

किसानों की परेशानी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई किसान पूरे दिन लाइन में खड़े रहने के लिए अपने साथ भोजन तक लेकर पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद खाद नहीं मिलने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है और अगले दिन फिर कतार में लगना पड़ता है। किसानों के मुताबिक पहले टोकन लेने के लिए

अलग लाइन में लगना पड़ता है और इसके बाद खाद वितरण केंद्र पर दूसरी कतार का सामना करना पड़ता है। दोहरी प्रक्रिया के कारण किसानों का समय और श्रम दोनों बर्बाद हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि खेती के महत्वपूर्ण समय में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से फसल प्रभावित होने की चिंता बनी हुई है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ वितरण व्यवस्था को सरल और सुव्यवस्थित किया जाए, ताकि किसानों को घंटों कतार में खड़े रहने से राहत मिल सके।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की तिथि बढ़ाई जाए, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश सहरिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इनकम टैक्स रिटर्न भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है, जबकि कुछ कर्मचारियों का डाटा कंप्लीट न होने की वजह से कहीं वह कर्मचारी रिटर्न फाइल करने से चूक न जाएं इसलिए इसकी तिथि 30 सितंबर तक बढ़ाई जाना चाहिए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, हेमन्त ठाकरे, सुरेंद्र चौधरी, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, दिनेश गोंड, गुडविन चार्ल्स, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, एनोस विक्टर, सुधीर अवधिया, देवेन्द्र भट, फिलिप अन्थोनी, मनमोहन चौधरी, राकेश गुप्ता, गोपीशाह, धनराज पिल्ले, क्रिस्टोफर नरोन्हा, सुधीर पावेल, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, अफरोज खान, आशाराम झारिया, समर सिंह ठाकुर, त्रिलोक सिंह, वसुमुद्दीन, देवेन्द्र पटेल, अशोक कोष्टी, अनूप दहाट, अशोक परस्ते, वीरेंद्र श्रीवास, आदि ने शासन से मांग की है।

रुद्राभिषेक कर किया गुरु पूजन

जबलपुर। पनागर क्षेत्र के कोहना गांव में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ रुद्राभिषेक एवं गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भागवताचार्य पूज्य दिनेश कृष्ण शास्त्री के शिष्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गुरुदेव का विधि-विधान से पूजन एवं अभिनंदन किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे। सभी ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। गुरुजी ने अपने आशीर्वचन में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धर्म, संस्कार एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया तथा गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया।

कैंसर की रोकथाम के लिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं कीटनाशक अवशेषों की नियमित जांच आवश्यक

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन, जबलपुर द्वारा प्रदेश में बढ़ती जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने की मांग उठाई गई है। संगठन का कहना है कि कैंसर एक जटिल बीमारी है, जिसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे तंबाकू का सेवन, प्रदूषण, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, कुछ संक्रमण तथा पर्यावरणीय कारक। ऐसे में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना भी जनस्वास्थ्य की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि फल, सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं या नहीं, इसकी नियमित वैज्ञानिक जांच की जानी चाहिए। यदि किसी खाद्य पदार्थ में निर्धारित सीमा से अधिक हानिकारक रासायनिक अवशेष पाए जाते हैं, तो संबंधित सामग्री को तत्काल बाजार से हटाकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही किसानों को सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से कीटनाशकों के उपयोग के संबंध में निरंतर प्रशिक्षण और जागरूकता भी प्रदान की जानी चाहिए।संगठन ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर प्रदेश की प्रमुख फल एवं सब्जी मंडियों में नियमित सैंपलिंग, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में जांच तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, कृषि विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त जांच टीम गठित करने की मांग की है। संगठन का मानना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से नागरिकों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध होगी और जनस्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

पौधारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

सुरक्षा दस्ते ने ली एक-एक पौधे की जिम्मेदारी

जबलपुर। पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने रामपुर परिसर स्थित टावर गेट (रामपुर गेट) सुरक्षा चौकी के समीप फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सुरक्षा दस्ते के प्रत्येक कार्मिक ने एक-एक पौधे के संरक्षण एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) फिरोज कुमार मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनुराग नायक एवं महाप्रबंधक (प्रशासन) नितिन खत्री ने पौधारोपण किया। इसके बाद सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भी पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यपालक निदेशक फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक दिन की औपचारिकता नहीं, बल्कि निरंतर निभाया जाने वाला संकल्प है। पौधा लगाने के साथ उसके वृक्ष बनने तक देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन के सुखद अवसरों को पौधारोपण से जोड़कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं बेहतर पर्यावरण तैयार किया जा सकता है।

10 हजार से अधिक पौधों का रोपण, 95 प्रतिशत से अधिक सुरक्षित

कंपनी के सिविल निकाय द्वारा पिछले दो वर्षों में रामपुर, नयागांव एवं ललपुर परिसरों में 10 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें से 95 प्रतिशत से अधिक पौधे सुरक्षित हैं और अब वृक्ष का रूप ले रहे हैं। इससे कंपनी परिसरों में हरित क्षेत्र का विस्तार होने के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिली है। कार्यक्रम का संयोजन सुरक्षा अधिकारी प्रवीण कपूर एवं सुरक्षा निरीक्षक संजय सिंह ने किया। सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सुरक्षा अधिकारी रामनारायण यादव ने कहा कि सुरक्षा विभाग के कार्मिकों ने पौधारोपण के माध्यम से सामाजिक दायित्व के निर्वहन की पहल की है। प्रत्येक सुरक्षा कर्मी ने एक-एक पौधे की व्यक्तिगत देखभाल की जिम्मेदारी ली है, जिससे उनकी नियमित निगरानी एवं वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

श्रीमती जसपाल कौर भाटिया- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री आशा सिंह भाटिया की धर्मपत्नी श्रीमती जसपाल कौर भाटिया (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम प्रसाद- शंकरशाह वार्ड दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री राम प्रसाद (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश प्रजापति- चांदमारी टेस्टिंग रोड लालमाटी निवासी श्री गोविंद प्रजापति के पुत्र श्री राजेश प्रजापति (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बृज नंदन अवस्थी- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री बृज नंदन अवस्थी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती बाई चौधरी- सरकारी कुआं चौधरी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री परम लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राजकुमारी बाई- हाउबाग गोरखपुर निवासी श्रीमती राजकुमारी बाई का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामचंद्र माखीजा- छुट्टू मियां की तलैया नरघैया निवासी श्री रामचंद्र माखीजा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पुट्टू लाल उईके- फेस 1 तिलहरी निवासी श्री पुट्टू लाल उईके (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेखा दुबे- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शिव कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा दुबे (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अरविंद कुमार विश्वकर्मा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री अरविंद कुमार विश्वकर्मा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनमोहन तिवारी- ग्राम सेठान साईंखेड़ा नरसिंहपुर निवासी श्री मनमोहन तिवारी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला नशानी- साठिया कुआं हनुमानताल निवासी श्री जीएम नशानी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला नशानी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री इंद्र लाल पटेल- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री इंद्र लाल पटेल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रमिला यादव- बड़ी ओमती स्थित यादव बाड़ा निवासी श्री चंद्रभान यादव की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला यादव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मंजू पोद्दार- जवाहरगंज बड़ा फुहारा निवासी श्री संतोष पोद्दार की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू पोद्दार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मथुरा देवी राय- शीतलामाई मंदिर मेन रोड निवासी श्री रूपचंद राय की धर्मपत्नी श्रीमती मथुरा देवी राय (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10×4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10×4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10×8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

अब जंग नहीं, फेड का फैसला तय करेगा सोने की चमक! ब्याज दरों पर टिकी गोल्ड की अगली चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच पारंपरिक संबंध बदल रहा है तथा मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति सर्राफा कीमतों को प्रभावित करने वाले अधिक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल)) की 'एच1 2026 प्रेशियस मेटल्स रिपोर्ट' के अनुसार, चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हुआ कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर अधिक कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर क्या असर पड़ता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती से सोने की कीमतों को मिली मजबूती

मौद्रिक नीति का अपेक्षाओं पर प्रभाव

एमओएफएसएल में जिंस शोध प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 2026 की पहली छमाही ने दिखाया कि युद्ध और सोने के बीच संबंध अब पहले की तुलना में अधिक परिस्थितियों पर निर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि बाजार अब केवल भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर ध्यान नहीं दे रहा, बल्कि यह देख रहा है कि उनका मुद्रास्फीति, वास्तविक ब्याज दरों और मौद्रिक नीति की अपेक्षाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है।

संघर्ष में सोने की तेजी रही सीमित

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इस बदलते रुख का उदाहरण है। संघर्ष बढ़ने पर शुरुआती दौर में सोने की मांग बढ़ी, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से मुद्रास्फीति की चिंता बढ़ी और मौद्रिक नीति में ढील की उम्मीद कमजोर हुई। इससे सोने की तेजी सीमित रही और बाद में कीमतों में सुधार आया। रिपोर्ट में कहा गया, शुल्क अब केवल आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम नहीं रह गए हैं, बल्कि वे मुद्रास्फीति बढ़ाने वाली ताकत बन गए हैं।

यील्ड सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा

दमानी ने कहा कि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी। इससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की पारंपरिक मांग पर भी असर पड़ा, जबकि भू-राजनीतिक तनाव ऊंचे स्तर पर बने रहे। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली। रिपोर्ट में कहा गया कि बाद में शुल्क बढ़ने से उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति की अपेक्षाएं बढ़ीं। इससे लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत हुई और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों की वास्तविक प्रतिफल तथा डॉलर में तेजी आई।

खबर संक्षेप

एयरटेल बिजनेस-आईटीआई ने किया समझौता

नई दिल्ली। भारती एयरटेल की कारोबार-से-कारोबार (बी2बी) इकाई एयरटेल बिजनेस और सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने उद्यमों को डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। आईटीआई लिमिटेड के कोटे का लाभ उठाकर सार्वजनिक क्षेत्र, एयरटेल बिजनेस की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत फोर्ज को 89.89 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण वह घाटे में रही।

'आश्रयम' टाउनशिप' के दूसरे चरण की शुरुआत

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी अग्रशील इन्फ्राटेक प्राइवेट लि. ने लखनऊ में अपनी टाउनशिप परियोजना 'आश्रयम' के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। कंपनी इस चरण में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। 'आश्रयम' एकीकृत भूखंड आधारित टाउनशिप परियोजना का दूसरा चरण लगभग 11.25 एकड़ में फैला है।

अमारा राजा एनर्जी का मुनाफा 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बैटरी विनिर्माता कंपनी अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान मजबूत बिक्री वृद्धि के दम पर एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 190.94 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 164.8 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल भारत

आईपीओ बाजार में भारत की धूम, 360 से ज्यादा इश्यू से जुटे 1.9 लाख करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू कंपनियों ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में 360 से अधिक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल रहा।

हालांकि, सूचीबद्ध होने के बाद मिलने वाले लाभ और शेयरों की संख्या के मुकाबले अधिकतम बोलियों में कमी से संकेत मिलता है कि निवेशक अब कंपनियों का चयन अधिक सावधानी से कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन, भारत की सोमवार को जारी देश के आईपीओ बाजार पर रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनियों की पूंजी जुटाने की गतिविधियां मजबूत बनी रहीं।

मजबूत कंपनियों में बढ़ी निवेशकों की रुचि

रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब उन कंपनियों की ओर अधिक बढ़ी है, जिनकी बुनियाद मजबूत हैं, कंपनी संचालन व्यवस्था बेहतर है, आय में वृद्धि की स्पष्ट संभावना है और मूल्यांकन अधिक संतुलित है। मुख्य शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 109 आईपीओ आए, जिनके माध्यम से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में 80 आईपीओ के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर हुए कुल आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही और इस मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 %

निवेशक ले रहे अधिक सोच-समझकर निर्णय : वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ के लिए अधिक अभिदान का औसत घटकर 39 गुना रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 71 गुना था। यह कंपनियों के मूल्यांकन, प्रबंधन गुणवत्ता और कारोबार की मजबूती को लेकर बढ़ती जांच को दर्शाता है। इसी तरह, सूचीबद्ध होने के पहले दिन मिलने वाला औसत लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर सात प्रतिशत रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 29 प्रतिशत था। वहीं, सूचीबद्ध आईपीओ कंपनियों का औसत सालाना प्रदर्शन 17 प्रतिशत नकारात्मक रहा।

नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर हुआ 39 प्रतिशत

भारतीय पूंजी बाजार की मजबूती को घरेलू निवेशकों की अच्छी भागीदारी और लगातार बढ़ते निवेशक आधार का समर्थन मिला। हालांकि, वैश्विक घटनाक्रमों, जिंस कीमतों और मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव निवेशकों के फैसलों पर बढ़ा है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य बाजार के आईपीओ से जुटाई गई राशि में बिक्री पेशकश (ओएफएस) का दबदबा बना रहा और इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत रही। वहीं, नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया, जो वृद्धि के लिए पूंजी जुटाने की गतिविधियों में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। निवेशकों के बदले रुख का असर आईपीओ के लिए बोली और सूचीबद्ध होने के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया।

258 एसएमई आईपीओ के जरिए जुटाए 12,030 करोड़

वित्त वर्ष 2025-26 में 258 एसएमई आईपीओ के जरिये 12,030 करोड़ रुपए जुटाए गए, जो पिछले तीन वर्षों की तुलना में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में 242 एसएमई आईपीओ से 9,900 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारत का आईपीओ बाजार मजबूत बने रहने की उम्मीद है। घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक वृद्धि और विस्तृत होते निवेशक आधार से आईपीओ बाजार को समर्थन मिलेगा। जिन कंपनियों की बुनियाद मजबूत होगी और जो आईपीओ के लिए बेहतर तैयारी के साथ आएंगी, वे सार्वजनिक बाजार से पूंजी जुटाने और सूचीबद्ध होने के बाद भी निवेशकों का भरोसा बनाए रखने में अधिक सफल रहेंगी।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ मार्केट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

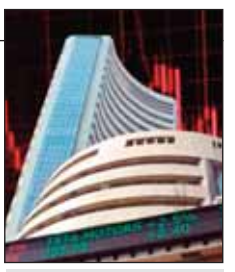

- सेंसेक्स में 43 अंकों की बढ़त, एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी

कच्चे तेल के भाव में तेजी और वैश्विक स्तर पर अनश्चितता के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली तेजी रही और दोनों मानक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 43 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 78,676.98 अंक तक गया और नीचे में 78,298.92 अंक तक आया।

इस तरह कारोबार के दौरान इसमें 378.06 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,583.80 अंक पर बंद हुआ।

एशिया के शेयर बाजारों में बढ़त

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। वहीं, शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

देश का सबसे महंगा लग्जरी घर

गुरुग्राम में 271 करोड़ रुपए में बिका पेंटहाउस!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- डीएलएफ में एक अपार्टमेंट की कीमत 100 से 170 करोड़ रुपए के बीच

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम स्थित अपनी आगामी लक्जरी आवासीय परियोजना में 271 करोड़ रुपए में एक पेंटहाउस बेचा है।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रति वर्ग फुट कीमत के लिहाज से यह देश के सबसे महंगे सौदों में से एक है। डीएलएफ ने अक्टूबर, 2024 में गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-5 में 17 एकड़ में फैली अपनी लक्जरी आवासीय परियोजना 'द डहलियाज' शुरू की थी। इस परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने इस परियोजना का एक पेंटहाउस उद्यमी मानव सरदाना को बेचा है।

1.58 लाख रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से बिका पेंटहाउस

सूत्रों के अनुसार, सुपर एरिया के आधार पर डीएलएफ ने यह पेंटहाउस 1.58 लाख रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से बेचा है, जबकि कारपेट एरिया के हिसाब से इसकी बिक्री कीमत करीब 2.6 लाख रुपए प्रति वर्ग फुट बैठती है। डीएलएफ के प्रवक्ता ने इस बिक्री पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कंपनी को इस परियोजना से 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कुल राजस्व मिलने की उम्मीद है। अब तक इसकी 65 प्रतिशत से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। इस परियोजना में एक अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ रुपए से 170 करोड़ रुपए के बीच है। पेंटहाउस की कीमत इससे अधिक है।

एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज में करेगी निवेश आईएफसी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड में 225 करोड़ रुपए (करीब 2.3 करोड़ डॉलर) के इक्विटी निवेश की घोषणा की। इस निवेश से एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज को 14 शहरों में लगभग दो करोड़ वर्ग फुट 'निर्माणाधीन है। एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज, एनडीआर समूह की ओर से स्थापित एक नया मंच है। यह एनडीआर इनविट ट्रस्ट का प्रायोजक है और महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में ग्रेड-ए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक अवसंरचना विकसित करने पर केंद्रित है। कंपनी के अनुसार, इस पोर्टफोलियो में सामान्य वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज दोनों शामिल होंगे। परियोजना का विशेष ध्यान टियर-2 और टियर-3 के शहरों पर होगा, जहां आधुनिक लॉजिस्टिक अवसंरचना और संगठित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं।

ट्राई ने की लॉजिस्टिक कंपनियों के लिए 1601 नंबर सीरीज अनिवार्य

- इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार के लिए नहीं होगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) तथा सार्वजनिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 नंबर श्रृंखला के इस्तेमाल का निर्देश दिया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि पहले चरण में 1601 नंबर श्रृंखला का उपयोग बिजली, पानी, रसोई गैस, शहर गैस, कूरियर और लॉजिस्टिक क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए करेंगी। इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार (प्रमोशनल) कॉल के लिए नहीं किया जा सकेगा।

दोनों तरह की कॉल में भ्रम न हो

अभी 1600 नंबर श्रृंखला का उपयोग केवल बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र तथा सरकारी संस्थाओं की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए किया जाता है। ट्राई ने कहा कि बीएफएसआई और सरकारी संस्थाओं की कॉल संवेदनशील और महत्वपूर्ण होती हैं। इसलिए अन्य क्षेत्रों की सेवा संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 श्रृंखला शुरू की गई है, ताकि दोनों तरह की कॉल में भ्रम न हो।

10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री करेगी हुंडई ...

नई दिल्ली। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड का लक्ष्य 2027 तक भारत में कुल 10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री का है। कनेक्टेड कारों में वायरलेस संपर्क की सुविधा होती है, जिससे विभिन्न उद्देश्यों के लिए वाहन से संबंधित आंकड़ों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि फिलहाल भारतीय सड़कों पर उसकी ' ब्लूलिंक' कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कनेक्टेड कार प्रौद्योगिकी से लैस आठ लाख से अधिक कारें चल रही हैं। हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, कनेक्टेड वाहनों का बढ़ता इस्तेमाल ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और वाहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। वर्ष 2027 तक 10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हमारा ध्यान सॉफ्टवेयर आधारित वाहन प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और अपने उत्पादों में कनेक्टेड प्रौद्योगिकी का विस्तार करने पर है।

डॉलर के सामने 11 पैसे गिरा रुपया, 95.28 के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा

मजबूत डॉलर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे कमजोर होकर 95.28 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम एशिया वार्ता में कोई प्रगति नहीं होने और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि, विदेशी निवेशकों के प्रवाह ने रुपए को थोड़ा सहारा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.18 से लेकर 95.31 के दायरे में कारोबार करता रहा। अंत में यह 95.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले सत्र के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट है। रुपया पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को 95.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

रुपया पिछले सत्र के स्तर से मामूली कमजोर

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, रुपया पिछले सत्र के स्तर से मामूली कमजोर हुआ है। ब्रेंट क्रूड के 84 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने और व्यापार घाटे पर इसके संभावित असर के कारण दबाव बना। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का सकारात्मक प्रवाह अगस्त में भी जारी होने से रुपये को सहारा मिल रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपया कमजोर

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, अमेरिका एवं ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से सोमवार को रुपया कमजोर हुआ। निचले स्तर से डॉलर के मजबूत होने का भी असर पड़ा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार की मजबूती ने गिरावट को सीमित रखा। चौधरी ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े आने से पहले कारोबारी सतर्क रह सकते हैं और डॉलर एवं रुपए की विनिमय दर 95 से 95.60 के दायरे में रह सकती है।

जापान, मलेशिया और बहरीन के साथ बातचीत कर रही है एनपीसीआई

भारत का यूपीआई अब होगा ग्लोबल, मिलेंगी कई सुविधाएं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के हर जगह मौजूद मोबाइल पेमेंट नेटवर्क को चलाने वाली कंपनी, दुनिया भर में अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए विदेशों में बसे भारतीयों का सहारा लेने की योजना बना रही है। इसका मकसद इस प्लेटफॉर्म को देशों के बीच पैसे के लेन-देन का पसंदीदा जरिया बनाना है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सीईओ दिलीप असबे ने कहा, क्या अगले 10 सालों में 15-20 बाजारों में पहुंचना मुमकिन है? मुझे लगता है कि यह बाज़ार में उतरने का एक बहुत अच्छा तरीका है। एनपीसीआई ने ही यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) बनाया है।

उन्होंने आगे कहा, जिस तरह भारत घरेलू पेमेंट के मामले में आत्मनिर्भर है, उसी तरह हम दूसरे देशों के साथ होने वाले पेमेंट (क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट) के मामले में भी आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। एनपीसीआई जापान, मलेशिया और बहरीन जैसे देशों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि जियोपॉलिटिकल और रेगुलेटरी असर की वजह से इन देशों की सरकारों और सेंट्रल बैंकों का फ़ैसला ही आखिरी होगा।

यूपीआई बिजनेस मॉडल में बदलाव संभव

एनसीपीआई की रणनीति का मकसद भारत के 3.5 करोड़ प्रवासी लोगों तक पहुंचना है। इन लोगों ने मार्च में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर में 155 अरब डॉलर से ज़्यादा रकम भारत भेजी, जो दुनिया भर में सबसे ज़्यादा रेमिटेंस है। विदेशी भारतीयों ने बाज़ार में मुश्किल समय के दौरान खास डिपॉजिट स्कीम के ज़रिए देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मज़बूत करने में भी मदद की है। अखबे ने कहा, प्रवासी लोगों की संख्या बढ़ेगी, यात्रा बढ़ेगी और व्यापार भी बढ़ेगा।

- एनआरआई नेटवर्क से दुनिया तक पहुंचेगा डिजिटल पेमेंट

यूपीआई के जरिए आसान होगा विदेशी पेमेंट

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के अनुसार, ट्रांजैक्शन वॉल्यूम के मामले में यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम है। इसने भारत में रोजमर्रा के पेमेंट के तरीके को बदल दिया है। अब यूज़र्स मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल करके बैंक अकाउंट्स के बीच तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं और कई ट्रांजैक्शन के लिए उन्हें कार्ड नेटवर्क की ज़रूरत नहीं पड़ती। एनपीसीआई अब यूपीआई को विदेशी पेमेंट सिस्टम से जोड़कर विदेशों में भी वैसी ही कामयाबी हासिल करना चाहता है।

ग्लोबल पेमेंट सिस्टम में भारत की पहल

यह विस्तार सिंगापुर, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात समेत नौ देशों में यूपीआई की मौजूदगी को और बढ़ाएगा। अभी यूपीआई सिंगापुर और नेपाल के बीच पर्सन-टू-पर्सन रेमिटेंस की सुविधा देता है, जबकि ग्रीस से इनवर्ड रेमिटेंस (पैसे आने) की सुविधा भी उपलब्ध है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और बैंकों द्वारा स्थापित एनपीसीआई देश के रिटेल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को चलाता है। एनपीसीआई नामीबिया, पेरू और त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे विकासशील देशों को भी यह टेक्नोलॉजी एक 'पब्लिक गुड' के तौर पर उपलब्ध करा रहा है, ताकि वे भी ऐसा ही सिस्टम बना और चला सकें।

चिंतन

युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरिकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सौदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा कराने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे जरूरी है कि छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए स्थायी संवाद तंत्र बनाया जाए। आंदोलन शुरू होने और विधानसभा घेराव की नौबत आने का इंतजार क्यों किया जाए? सरकारें समय रहते छात्रों के प्रतिनिधियों से बात करें और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। सरकारों को युवाओं के सब्र का इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटाया जा सकता है।

चीन को भारत का करारा जवाब

सीमा विवाद
ओमकार चौधरी

भारत-चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है :- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थागत जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता । उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी असहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में 'जांगनान' यानी 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करती है । जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां, पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आई, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयां न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक

अग्रेशन कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है ।

लोंग जू : यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब स्थित है। थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊंचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा।

जयरामपुर : चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।

जसवंतगढ़ : तवांग रोड पर स्थित यह स्थान भारतीय शहीद जसवंत सिंह रावत के स्मारक के लिए जाना जाता है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में वीरता दिखाई थी।

शेर-ए-थापा स्मारक : 1962 के युद्ध के नायक त्रिलोक सिंह थापा की स्मृति में बनाया गया यह स्मारक भी इस सूची का हिस्सा है। इनके अलावा शंभू सरोवर, बड़ा और छोटा कुंडुन, धन बाड़ी, प्रीतनगर, तेरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा और बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा, कमलांग नगर और बुद्ध मंदिर जैसे स्थान भी इस सूची में शामिल हैं। यह चुनाव आकस्मिक नहीं लगता। इनमें से अधिकांश स्थान सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हैं या 1959-1962 के संघर्षों से सीधा ऐतिहासिक संबंध रखते हैं। भारत का यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है ।

कानूनी व प्रशासनिक स्पष्टता : आधिकारिक मानचित्र में स्थानों को औपचारिक रूप से शामिल करने से सटीक भौगोलिक पहचान सुनिश्चित होती है, जिससे प्रशासनिक कामकाज व सुरक्षा तैनाती में स्पष्टता आती है।

कूटनीतिक जवाब : यह चीन की नामकरण रणनीति के जवाब में भारत का दस्तावेजी आधार तैयार करने जैसा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष उतनी ही मजबूती से उठे, जितनी मजबूती से चीन दावा करता है।

जन-जागरूकता : इन स्थानों को आधिकारिक तौर पर चिह्नित करने से आम नागरिकों में इनकी अहमियत व भारत की संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, खासकर उन स्थानों के मामले में जो 1962 और 1959 के संघर्षों से जुड़े हैं और शहीदों की स्मृति को संजोए हैं।

ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करना: जसवंतगढ़ और शेर-ए-थापा स्मारक जैसे स्थानों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि 1962 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता की कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत-चीन विवाद केवल सीमा रेखा का मसला नहीं रह गया है। यह अब मानचित्रों, नामों और दस्तावेजों की एक लंबी लड़ाई बन चुका है। चीन जहां बार-बार नामकरण के जरिए अपने दावे को स्थापित करने की कोशिश करता रहा है, वहीं भारत ने भी अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मोर्चे पर पीछे नहीं हटेगा। 27 स्थानों का यह औपचारिक नामकरण केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक ठोस संदेश है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा पहले भी था, आज भी है, और भविष्य में भी रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विशेष

अनुभव शर्मा

भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

धतूरैः पूजनं शंभोः सर्वकामफलप्रदम्।
विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धनम्॥

(अर्थातः भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विष यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)

भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलतः भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डातुरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की सेंधव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते है परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलतः मेक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हज़ार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धत्तूर' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तांबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यांचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

उद्गत-धत्तूर-प्ररोह-संकुलैः, प्रगुणीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः...

(भावार्थः वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।) चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह ज़ाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ? कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहेली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी की इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था) और यह पीला कनेर भी शिव पूजन में अत्यधिक लोकप्रिय है। किसी जीव द्वारा या समुद्र में बह कर आने के विषय पर शोध आवश्यक है। इसलिए मध्य काल के कवि बिहारीदास के शब्दों में

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खाए बौराय जग, इहि पाए बौराय।

इसी 'कनक' (धतूरे) की मादकता का भारत में विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक प्रभाव आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

(लेखक अवर सचिव, लोक भवन, रायपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

संकलित
दर्शन

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज़ है जो बिना हथियार के ही दूसरों को घायल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुरा कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।

गुरु के बिना जीवन में प्रगति संभव नहीं

संकलित
प्रेरणा

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।

अंतर्मन

आज की पाती

लोगों में धन की भूख बढ़ी

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसके विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे।- *विजय कुमार, सोनीपत*

ट्रेंड

कोई गोली नहीं चली

जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार। अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। **-जेपी नड्डा,** केंद्रीय मंत्री

विपक्ष की तीन मांगें

विपक्ष की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली- जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदालन युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा की जाए, सरकार दोषियों को न बचाए।
-राहुल गांधी, नेता विपक्ष

संसद चले

अगर केंद्रीय गृह मंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विरोध-प्रदर्शन से निपटने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में सदन में सवालों का जवाब देते हैं और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते हैं कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। **-उमर अब्दुल्ला,** सीएम, जम्मू-कश्मीर

वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। केंद्र सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

प्लास्टिक को भी चट कर जाएगा पाक में मिला फंगस

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस ने पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता।
शोधकर्ताओं ने लैब में कल्चर और मिट्टी में दफनाने के विस्तृत प्रयोगों के जरिए इस फंगस की क्षमता का गहन परीक्षण किया। अध्ययन में इसे एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस की पॉलीयुरेथेन को खराब करने की क्षमता का पहला रिपोर्टेड मामला बताया गया था। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि इन नतीजों को अतिरंजित नहीं समझना चाहिए। प्रयोग पूरी तरह नियंत्रित लैब परिस्थितियों में किए गए थे। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि फेंका गया पॉलीयुरेथेन गद्दा, जूता या कोई अन्य उत्पाद दो महीने पर्यावरण में रहने के बाद गायब हो जाएगा।

ऑफ बीट

कुंडेश्वर धाम में 5000 साल पुराना शिवलिंग

बुंदेलखंड की काशी कहे जाने वाले शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ का स्वयंभू शिवलिंग है। यह शिवलिंग करीब 5000 साल पुराना बताया जाता है। द्वापर युग में बाणासुर की पुत्री ऊषा ने यहां भगवान शिव की तपस्या की थी। वर्तमान में किंवदंती है कि ऊषा आज भी भगवान शिव को जल अर्पित करने आती है। मगर उन्हें कोई देख नहीं पाता है। कुंडेश्वर स्थित देवादिदेव महादेव आज भी शाश्वत और सत्य हैं, इसका जीता जागता प्रमाण स्वयं प्रतिवर्ष चावल के बराबर बढ़ने वाला शिवलिंग है। क्यों कहा जाने लगा कुंडेश्वर- बताया जाता है कि कुंडेश्वर का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। प्राचीनकाल में यहां एक छोटी सी बस्ती थी। एक महिला अपने घर में जमीन में बनी ओखली में धान कूट रही थी कि अचानक उसने हाथ से धान पलटते समय पाया कि ओखली के चावल रक्त रंजित हो गए हैं। वह घबराकर मिट्टी के कूड़े से ओखली ढक्कर लोगों को बुलाने भागी, लौटने पर सभी ने देखा कि स्वयं भू शिवलिंग कूड़े को सिर पर रखकर प्रकट हो गए। इसी दिन से वे कूड़ा देव कुंडेश्वर कहे जाने लगे। समूचे उत्तर भारत में भगवान कुंडेश्वर की विशेष मान्यता है। यहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के आते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

शाही सवारी के दर्शन करने उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रजा के हाल जानने निकले गुप्तेश्वर महादेव

स्वयंभू भगवान श्री गुप्तेश्वर महादेव की शाही सवारी यात्रा संस्कारधानी में महाकाल की तर्ज पर श्रावण मास की द्वितीय सोमवार को निकली गई, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों को सुख शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद देने नगर भ्रमण पर निकले।

जबलपुर। गुप्तेश्वर महादेव रामेश्वरम के उपलिंग है जब भगवान श्री रामचंद्र जी को 15 वर्ष का बनवास हुआ था तब बनवास के दौरान उन्होंने यहां गुप्त गुफा भगवान गुप्तेश्वर शिवलिंग का निर्माण कर अपने हाथों से पूजन अर्चन किया था। गुप्तेश्वर महादेव की शाही सवारी यात्रा सुबह 10 बजे गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई। प्रारंभ में मंदिर प्रांगण में गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर स्वामी डॉ मुकुंद दास महाराज की अध्यक्षता में डॉ स्वामी नरसिंहदास महाराज के सानिध्य में एवं अन्य संतों की अगुवाई में पूजन अर्चन किया गया। भगवान गुप्तेश्वर महादेव जी की शाही यात्रा में शक्ति नगर चौक में पं. द्वारिका प्रसाद मिश्रा, मंझले मिश्रा एवं ऋषभ मिश्रा के द्वारा महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। इसी क्रम में शाही सवारी की कृपाल चौक में जनता जनार्दन द्वारा अगवानी की गई। शाही सवारी यात्रा का जगह जगह स्वागत और पुष्पवर्षा होती रही। नागपुर से आए ढोल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसी क्रम में शास्त्री बीच में पंकज पांडे एवं उनकी टीम के द्वारा भगवान की अगवानी महाआरती के साथ की गई। शाही सवारी यात्रा में मंदिर के ट्रस्टी विधायक अशोक रोहाणी, विधायक लखन घनघोरिया , विधायक डॉ अभिलाष पांडे, पूर्व विधायक विनायक सक्सेना, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, कांग्रेस नेता दिनेश यादव विशेष रूप से शामिल थे। शाही सवारी यात्रा का समापन कटरा वाले हनुमान मंदिर मिलौनीगंज में हुआ, जहां पूजन अर्चन एवं प्रसाद वितरण किया गया। शाही सवारी यात्रा समिति में संयोजक द्वारिका प्रसाद मिश्र, पंकज पांडे, मंदिर परिवार के एड राजेश

तिवारी, पिंकी अग्रवाल, एड उत्कर्ष रावत, राजेंद्र, शेखर सराफ, हर्ष इंदु तिवारी, कमलेश अग्रवाल, कमलेश जायसवाल, डॉ विशेष केसरवानी, रश्मि, सुषमा, एकलव्य ठाकुर मनप्रीत, सर्वेश रजक, मोहित झारिया, महेश केसरवानी आदि ने शाही सवारी यात्रा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महापौर द्वारा भोलेनाथ की सवारी का पूजन अर्चन

सावन के दूसरे सोमवार पर निकली भोलेनाथ की शाही सवारी के अवसर पर मुख्य बस स्टेण्ड पर महापौर जगत बहादुर अन्नू द्वारा भगवान शिव का पूजन अर्चन किया गया। महापौर ने भगवान शिव से शहर में अमन चैन एवं खुशहाली हेतु प्रार्थना की।

शाही यात्रा की महाआरती करने उमड़े श्रद्धालु

गुप्तेश्वर महादेव महाराज की शाही यात्रा पर सोमवार को बड़ा फुहारा में भव्यता के साथ महाआरती की गई। जैसे ही शाही यात्रा बड़ा फुहारा पहुंची तो बम-बम भोले के साथ यात्रा का स्वागत किया गया। उज्जैन की तर्ज पर

नगर भ्रमण में प्रजा का हाल जानने निकले गुप्तेश्वर महाराज का बैण्ड की धुन और आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। विधि-विधान से पूजन अर्चन कर भक्तों ने भगवान से आशीर्वाद लिया। मां नर्मदा महाआरती गौरीघाट के संस्थापक एवं सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भगवान भोलेनाथ की महाआरती की। महाआरती करने वालों डॉ. सुधीर अग्रवाल, शरद अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, आदि शामिल थे।

हरे परिधानों में सजा हरियाली महोत्सव महिलाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जबलपुर। उन्नति महिला मेहरा महासंघ समिति, जबलपुर द्वारा रविवार को गैलेक्सी होटल, मदन महल में हरियाली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने हरे रंग के परिधान पहनकर एवं सोलह श्रृंगार कर आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रंजना हनौतिया, कार्यकारिणी अध्यक्ष एडवोकेट रजनी झारिया, गायत्री गढ़वाल, वर्षा झारिया, उमा झारिया, मीना डेहरिया, कविता झारिया, सुमन गढ़वाल, मनोरमा मेहरा, ज्ञानवती दास, लता दास, सुनीता दास, अंजना मेहरा, प्रमिला गढ़वाल, निर्मला गढ़वाल, अंजू विनोदिया, सारिका सावरे, लक्ष्मी सावरे, रीता सावरे, दीपा मेहरा, शांता सावरे, निशा डेहरिया एवं आस्था गढ़वाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सभी ने उत्साह और उमंग के साथ हरियाली महोत्सव का आनंद लिया।

पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन कार्यक्रम में प्रकृति बचाने का संदेश

स्वस्थ जीवन के लिए स्वस्थ पर्यावरण आवश्यक : ब्रह्माकुमारीज

जबलपुर। प्रकृति संरक्षण एवं आपदा से बचाव के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारी शिव स्मृति भवन, नेपियर टाउन में पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली से पधारे ब्रह्माकुमार पीयूष भाई रहे, जबकि अध्यक्षता केंद्र प्रमुख ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी भावना बहन ने की। विशिष्ट अतिथि ब्रह्माकुमारी आशा बहन, ब्रह्माकुमारी प्राची बहन, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, भारत भूषण, इंजीनियर अरविंद चौबे एवं इंजीनियर अजीत नायर मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन का आधार है। शुद्ध हवा, स्वच्छ जल और हरित प्रकृति के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं है। बढ़ता प्रदूषण, जंगलों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण असंतुलन का प्रमुख कारण बन रहा है। मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमार पीयूष भाई ने कहा कि मानव की

बढ़ती आवश्यकताओं के कारण प्रकृति का अत्यधिक दोहन हो रहा है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस अवसर पर सेवा केंद्र की बहनों ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों को राजयोग का अभ्यास कराया गया। डॉ. अरुण मिश्रा, तनिष्क शुक्ला, नरेश भाई, वीरेंद्र भाई, देवसिंह उइके, दीपांशु शुक्ला, संतोष, संदीप, सुरेश, ब्रह्माकुमारी वर्षा, ब्रह्माकुमारी कविता दीदी एवं ब्रह्माकुमारी भूमि बहन की उपस्थिति रहे।

पश्चिम मध्य रेल का अभिनव नवाचार एयरड्रायर की सुरक्षा के लिए विकसित की सेफ्टीप्लेट

178 लोकोमोटिवों में लागू, अनुरक्षण लागत व डाउन टाइम में आएगी कमी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के विद्युत विभाग ने लोकोमोटिव की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं अनुरक्षण दक्षता बढ़ाने के लिए एयर ड्रायर की सुरक्षा हेतु विशेष सेफ्टी प्लेट विकसित की है। यह तकनीकी नवाचार लोकोमोटिव में होने वाली खराबियों को कम करने के साथ परिचालन क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा। लोकोमोटिव के कैब-1 के अंडरफ्रेम पर लगे एयर ड्रायर के कैटल रन ओवर अथवा अन्य बाहरी आघात की स्थिति में सपोर्ट से अलग होकर नीचे लटकने से पर्ज वाल्व, विद्युत लीड एवं न्यूमेटिक पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने की समस्या सामने आती थी। इसके चलते एयर ड्रायर को आइसोलेट करना पड़ता था, जिससे न्यूमेटिक सिस्टम प्रभावित होने के साथ अनुरक्षण समय, डाउन टाइम और परिचालन लागत बढ़ती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए विद्युत विभाग के इंजीनियरों ने 410×420 मिमी आकार की विशेष सेफ्टी प्लेट विकसित की है, जिसे कैटल गार्ड पर वेल्ड कर एयर ड्रायर असेंबली को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की गई है। बाहरी आघात की स्थिति में यह प्लेट पर्ज वाल्व, विद्युत लीड एवं न्यूमेटिक पाइपलाइन को सुरक्षित रखने में मदद करती है। यह अभिनव संशोधन अब तक 178 लोकोमोटिवों में सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इससे अनुरक्षण समय एवं लागत में कमी के साथ लोकोमोटिव की उपलब्धता, विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा सुरक्षित, आधुनिक एवं दक्ष रेल परिचालन के लिए ऐसे स्वदेशी और किफायती तकनीकी नवाचारों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में उद्बोधन का अवसर जबलपुर शहर के लिए खास उपलब्धि

जबलपुर। मानस मर्मज्ञ, संत शिरोमणि पं. उमाशंकर व्यास की कृपापात्र, मंजूषा शुक्ला, मानस मंजरी दिनांक 12 अगस्त को अमेरिका रवाना होंगी। आप प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय संत मुरारी बापू के विशेष आमंत्रण, आव्हान पर बोस्टन स्थित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित तुलसी जयंती समारोह में शामिल होंगी। ज्ञात हो देश के चुनिंदा कथा वाचकों के चयन पश्चात, दिनांक 19 अगस्त को होने वाले इस आयोजन में मुख्य वक्ता, अंतरराष्ट्रीय संत मुरारी बापू से रामकथा का श्रवण पश्चात उनके मार्गदर्शन में रामकथा पर अपना विशेष प्रवचन देंगी। मंजूषा शुक्ला, मानस मंजरी ने इस यात्रा को प्रभु श्रीराम, हनुमान जी और अपने सद्गुरु की कृपा का प्रतिफल बताते हुए कहा कि विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर विद्वानों के बीच रामकथा पर विचार रखने का अवसर उनके लिए सौभाग्य की बात है। वह दिनांक 12 से 24 अगस्त तक अमेरिका प्रवास पर रहेंगी। ज्ञात हो कि वे पिछले वर्ष ही यूरोप के आठ देशों और लंदन की यात्रा प्रवास पर जा चुकी हैं।

इंजीनियरों ने सीखी ई-टेंडरिंग की तकनीक और बारीकियां

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के नयागांव, जबलपुर स्थित प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय ई-टेंडरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं कार्मिकों को ई-टेंडरिंग प्रणाली की नवीनतम प्रक्रियाओं, तकनीकी पहलुओं एवं व्यावहारिक चुनौतियों से अवगत कराना रहा, ताकि शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण में कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं परियोजनाओं से 58 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इनमें कार्यालय सहायक से लेकर अधीक्षण अभियंता स्तर तक के कार्मिक शामिल रहे। प्रदेश शासन भोपाल के ई-टेंडरिंग विभाग एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के विशेषज्ञ अभिषेक शर्मा एवं अमन मिश्रा ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ई-टेंडरिंग पोर्टल संचालन, निविदा प्रकाशन, बोली प्रक्रिया, तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन, डिजिटल हस्ताक्षर, ऑनलाइन दस्तावेज प्रबंधन सहित नवीन प्रावधानों की जानकारी दी। प्रतिभागियों की व्यावहारिक समस्याओं एवं शंकाओं का भी समाधान किया गया। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी दक्षता एवं क्षमता विकास कंपनी की प्रगति के प्रमुख आधार हैं। डिजिटल कार्यप्रणाली के बदलते दौर में नियमित प्रशिक्षण से कार्मिकों की कार्यकुशलता बढ़ने के साथ कार्यप्रणालियां अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं आधुनिक बन रही हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन दीपक कश्यप ने कहा कि डिजिटल युग में ई-टेंडरिंग सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे निविदा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष होने के साथ भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी कम होती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का कार्यक्षेत्र में प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया।

एडवोकेट मनीष मिश्रा का ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा ने किया अभिनंदन

जबलपुर। जिला बार एसोसिएशन के द्वितीय बार नवनिर्वाचित अध्यक्ष पं. मनीष मिश्रा का ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा द्वारा उनके कार्यालय में अभिनंदन समारोह आयोजित कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के वरिष्ठ अध्यक्ष पं. मुन्नालाल दुबे रहे, जबकि अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट अनिल दुबे, महासचिव दिलीप दुबे, महेश स्थापक, यदुवंश मिश्रा, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष मीरा दुबे, जागृति शुक्ला, अनीता शुक्ला, रेणुका तिवारी, मीनू दीदी, प्रमिता शर्मा एवं बबीता शुक्ला उपस्थित रहीं। महासभा के पदाधिकारियों ने पं. मनीष मिश्रा को पुष्पमाला पहनाकर शाल, श्रीफल एवं मिठाई भेंट कर शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि पं. मुन्नालाल दुबे ने कहा कि मृदुभाषी, लगनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ पं. मनीष मिश्रा के नेतृत्व में बार एसोसिएशन और अधिक सशक्त होगी तथा अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्य किए जाएंगे। समारोह में महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी, म.प्र. न्यायिक कर्मचारी संघ के पूर्व प्रांतीय प्रवक्ता पं. दीपांशु शुक्ला, मातृशक्ति, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। संचालन संस्थापक वीरेंद्र तिवारी ने किया तथा आभार दिलीप दुबे ने व्यक्त किया।

बच्चों ने स्वयं बनाई रुद्री, किया भोलेनाथ का रुद्राभिषेक

जबलपुर। सावन मास के पावन अवसर पर रविवार को श्री दुर्गा मंदिर एवं हनुमान मंदिर में बच्चों एवं श्रद्धालुओं के लिए विशेष रुद्राभिषेक एवं पूजन का आयोजन किया गया। बच्चों ने स्वयं रुद्री तैयार कर भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन एवं रुद्राभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष गूंजते रहे।आयोजन का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने तथा मोबाइल से दूरी बनाकर रचनात्मक एवं धार्मिक गतिविधियों में सहभागी बनाना रहा। पूजन एवं रुद्राभिषेक पं. वासुदेव शास्त्री एवं राजीव कृष्ण शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजेश शर्मा, देवेंद्र नेमा, सुनील ताम्रकार, संदीप नेमा, पंकज नेमा, धीरज गुप्ता एवं राहुल सेठ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिला श्रद्धालुओं में प्रभा शर्मा, सावित्री शुक्ला, शकुंतला राजपूत, अर्चना नेमा, छाया साहू, उर्मिला गुप्ता, अनीता शर्मा, सरला शर्मा, अंकिता शर्मा, मनीषा शर्मा, मोहिनी तिवारी, कीर्ति चौहान, श्रद्धा नेमा, श्रद्धा शर्मा, प्रीति गुप्ता, प्रगति गुप्ता, दर्शना यादव, अंजना यादव, सुशीला गुप्ता, विनीता यादव, संगीता ब्यौहार, रेखा खरे, श्वेता गुप्ता, निधि राजपूत, आकांक्षा बादल एवं दीक्षा चौहान सहित अनेक मातृशक्ति मौजूद रहीं। अर्नव, ओम सेठ, अनंत शर्मा, दिव्यांश शर्मा, कबीर बादल, मानवी, अंश, आर्थव, शौर्य, स्तुति, अर्पण, कृष्ण, आर्य, सोनाली, अपर्णा, पारूल, वंदना, लक्की, अंशिका, अनुष्का, आध्या, दक्ष, अद्वित, कृष्णा, आदर्श, रुद्र, सम्राट, अजय एवं वेदांत सहित अनेक बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन ने बच्चों को धर्म, संस्कार और सामूहिक सहभागिता से जोड़ने का संदेश दिया।

नरसिंह मंदिर गीता धाम में श्रावण मास महोत्सव

जीवन के उत्थान के लिए आवश्यक है सनातन धर्मः जगद्गुरु डॉ. नरसिंह देवाचार्य

जबलपुर। नरसिंह मंदिर, शास्त्री ब्रिज स्थित गीता धाम में श्रावण मास महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन रुद्राभिषेक, महापूजन-अभिषेक एवं महाआरती का आयोजन जगद्गुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है। इसी क्रम में नर्मदेश्वर महादेव का महाभिषेक श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रवचन देते हुए जगद्गुरु डॉ. स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने कहा कि जीवन के उत्थान एवं मंगल के लिए धर्म आवश्यक है। भगवान शिव का जीवन हमें प्रकृति, परिवार, जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों में भी परमात्मा के दर्शन की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जहां धर्म है, वहीं शिव हैं और जहां शिव हैं, वहीं धर्म है। वृषभ को धर्म का स्वरूप माना गया है और भगवान शिव का वाहन वृषभ है। महाराज ने कहा कि जिस प्रकार पशु को लगाम सही दिशा में नियंत्रित करती है, उसी प्रकार मनुष्य को धर्म नियंत्रित करता है। धर्म हमें अपनी जीवन ऊर्जा का उचित उपयोग करना सिखाता है। ज्ञानी व्यक्ति अनासक्त भाव से कर्म करता है, इसलिए कर्मबंधन में नहीं फंसता। भगवान भोलेनाथ का जीवन हमें धर्म का अवलंबन लेकर कर्म करने और मानव जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा देता है। श्रावण मास के दौरान मंदिर में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रुद्राभिषेक, महापूजन-अभिषेक एवं महाआरती आयोजित की जा रही है। नर्मदेश्वर महादेव के महाभिषेक में डॉ. वीके भारद्वाज, शिवम दुबे, एसवी मिश्रा, आचार्य रामफल शास्त्री, कामता शास्त्री, लालमन मिश्रा, हिमांशु एवं प्रियांशु सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

पिछले 8 साल से लंबित घमापुर फ्लाईओवर को लेकर प्रदर्शन आज

जबलपुर। रद्दी चौकी से रेलवे स्टेडियम तक के मार्ग पर यातायात दुरुस्त करने हर प्रयास फेल रहे हैं, अतः फ्लाई ओवर ही उसका एकमात्र उपाय है। इसके बावजूद भी पिछले आठ साल से घमापुर फ्लाईओवर का मामला लंबित पड़ा है। इस मुद्दे पर 11 अगस्त को दोपहर 01 बजे घंटाघर के पास नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच द्वारा प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नाम सुधार सूचना

मैं रितेश कुमार शर्मा उम्र 46 वर्ष, पिता श्री सुर्दशन कुमार शर्मा निवासी 57. महाकौशल नगर, आनंद नगर, सरस्वती स्कूल के पास अधारताल, आधार नं. 47379906 0420 जबलपुर, उक्त पते का स्थाई निवासी हूँ ।मेरे द्वारा पूर्व में पासपोर्ट बनवाया गया था, जो कि वर्तमान में समयसीमा समाप्त होने के कारण निरस्त हो चुका है। यह कि पहले मैं अपने आपको रितेश शर्मा लिखता था, परन्तु अब वर्तमान में मैं अपनी समस्त पहचान आई.डी. रितेश कुमार शर्मा नाम से बनवा चुका हूँ। रितेश शर्मा व रितेश कुमार शर्मा एक ही व्यक्ति है, और वर्तमान में रितेश कुमार शर्मा मेरा सत्य व सही नाम है। अब मेरी कोई भी पहचान रितेश शर्मा नाम से नहीं है। मुझे अब रितेश कुमार शर्मा नाम से जाना पहचाना जाता है, एवं भविष्य में भी मुझे रितेश कुमार शर्मा नाम से जाना पहचाना जावेगा।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/130
दिनांक:- 10/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमित संघी HUF पिता स्व. श्री दौलतराम संघी ने मकान नं. 1281/2 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 2000 व.फु., भूतल 975 व.फु., प्रथम तल 975 व.फु., द्वितीय तल 800 व.फु., तृतीय तल 800 व.फु., रिलीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

7 डॉग्स 21 को होगी रिलीज सलमान-संजय आएंगे नजर

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और संजय दत्त 26 साल बाद फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। चल मेरे भाई और साजन जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके सलमान और संजय की आगामी फिल्म 7 डॉग्स है। 7 डॉग्स एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसमें सलमान खान और संजय दत्त भी अहम भूमिकाएं निभाने वाले हैं। मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म का टीजर भी आ गया है। यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में 21 अगस्त को आ रही है। आदिल अल अरबी और बिलाल फल्लाह के निर्देशन में बनी सऊदी अरब की एक्शन फिल्म 7 डॉग्स की कहानी एक इंटरपोल अधिकारी और एक अपराधी के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ मिलकर काम करते हैं।

लाइफ Style

नयनतारा

टॉक्सिक के लिए तोड़ा नो प्रमोशन रूल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं. यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है।

इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक'के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म टॉक्सिकमें गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, 'मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।' टॉक्सिक के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे।

हॉलीवुड मसाला

साई-फाई एक्शन में प्रियंका की एंट्री

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की बड़ी स्टार बन चुकी हैं। बॉलीवुड में पहचान हासिल करने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल फिल्मों में काम किया और आज के समय में 'देसी गर्ल' विदेशी फिल्मों में लीड रोल्स से सफलता का परचम लहरा रही हैं। वह एक के बाद एक हॉलीवुड फिल्में कर रही हैं, वो भी बतौर लीड। प्रियंका चोपड़ा की एक और फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। द ब्लफ और हेड्स ऑफ स्टेट के बाद प्रियंका ने अपकमिंग साई-फाई एक्शन थ्रिलर ब्लूफ्लाई साइन कर ली है।

द ओडिसी ने तोड़ा नोलन की फिल्मों का रिकार्ड

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता और निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की हालिया रिलीज फिल्म 'द ओडिसी' को दर्शकों ने जमगकर प्यार दिया है। इतना कि यह फिल्म अब उनके कॅरियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। यहां जानें फिल्म ने अब तक कितनी कमाई कर ली है। साथ ही पढ़ें कि इसने अब तक किन फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ा है? फिल्म ओडिसी ने अपनी रिलीज के पहले दिन से ही दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की थी। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने रविवार को फिल्म के कलेक्शन से जुड़ी जानकारी साझा की। मेकर्स ने बताया कि 'द ओडिसी' ने नोलन की पिछली फिल्मों के कलेक्शन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दुनियाभर में 10,515.99 करोड़ रुपए कमाकर 'द ओडिसी' नोलन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

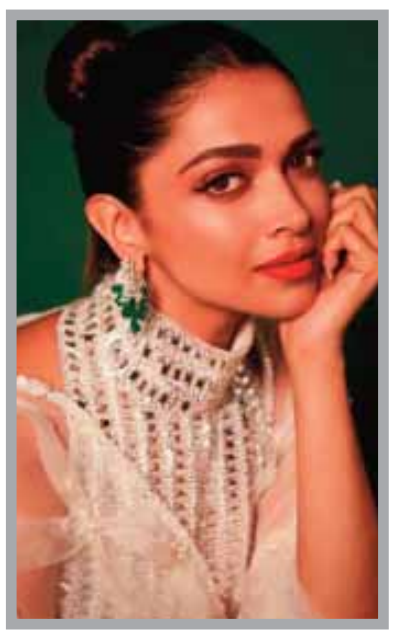

सितंबर से पहले पूरी करेंगी राका की शूटिंग

मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बिटिया दुआ के माता-पिता हैं। कपल के परिवार में एक बार फिर किलकाली गूंजने वाली है। 'दीपवीर' अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगे। दीपिका आठ माह की गर्भवती हैं। अगले महीने उनके घर किलकारी गूंजेगी। इससे पहले वे 'राका' की शूटिंग पूरी कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण सितंबर में अपनी डिलीवरी से पहले-पहले 'राका' की शूटिंग पूरी करने वाली हैं। आठ महीने की प्रेग्नेंसी में भी दीपिका फिल्म की शूटिंग जारी रखे हुए हैं। खबर है कि जरूरत पड़ने पर वह देर रात तक काम कर रही हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'दीपिका आठ माह के गर्भ से हैं। अगले महीने वे बच्चे को जन्म देंगी। इन दिनों दीपिका पादुकोण आठ माह की गर्भावस्था में भी 'राका' की शूटिंग कर रही हैं।

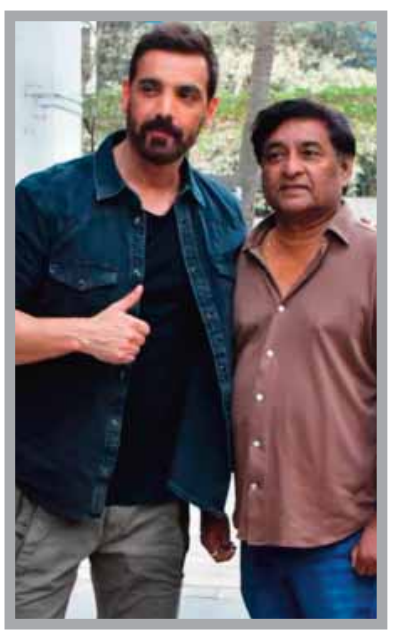

फिर साथ काम करेंगे जॉन और शिवम

मुंबई। फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए।

टीवी मसाला

खतरों के खिलाड़ी 15 : पहले ही हफ्ते बाहर हुए विशाल

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शुरुआत हो चुकी है और शो से पहला एलिमिनेशन भी हो गया है। इस एलिमिनेशन के चलते सोशल मीडिया यूजर मायूस हो गए हैं, क्योंकि किसी को उम्मीद नहीं थी कि पहले ही हफ्ते में शो से इतना मजबूत कंटेस्टेंट बाहर हो जाएगा। 'खतरों के खिलाड़ी' के इस सीजन में नए कंटेस्टेंट्स के साथ-साथ पुराने खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया है और खिलाड़ी नए-पुराने दो ग्रुप में परफॉर्म कर रहे हैं। बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना ने भी शो में एंट्री ली है, जो हाल ही के एपिसोड में 'पनौती' टैग पर बात करते दिखे। इस बीच शो से पुराने खिलाड़ी विशाल आदित्य सिंह की छुट्टी हो गई, जिसने एक्टर के फैंस को मायूस कर दिया है। हाल ही के एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को गर्म वैक्स में एक दर्दनाक स्टंट करना था। इस टास्क में चार कंटेस्टेंट रुबीना दिलैक, रूहानिका धवन, विशाल आदित्य सिंह और हर्ष गुजराल को अपने-अपने हाथों पर गर्म वैक्स इकट्ठा करना था। ये टास्क बेहद दर्दनाक था। जब होस्ट रोहित शेट्टी ने टास्क के बारे में बताया तो सभी कंटेस्टेंट घबरा गए। उन्होंने बताया कि ये स्टंट 10 मिनट तक चलेगा और अगर किसी भी कंटेस्टेंट को लगे कि वह इसे और आगे नहीं कर सकते तो वह कभी भी पीछे हट सकते हैं। जो कंटेस्टेंट ज्यादा वैक्स इकट्ठी कर पाएगा, वही टास्क का विनर होगा और एलिमिनेशन से सुरक्षित हो जाएगा। स्टंट शुरू होने से पहले रूहानिका धवन भावुक हो गईं और रोने लगीं। ऐसे में रुबीना ने उनका हौसला बढ़ाने की कोशिश की और साथ ही ये भी माना कि उन्हें भी काफी डर लग रहा है।

अब अजय होस्ट करेगा क्राइम पेट्रोल?

नई दिल्ली। सीरियल 'क्राइम पेट्रोल' अपने एपिसोड्स के जरिए समाज में होने वाली वारदातों को नाट्य रूपांतरण करके पेश करता है। इस सीरियल को अनूप सोनी ने कई साल तक होस्ट किया। मगर, अब आईएनएस की रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी जगह बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने ले ली है। अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए फैंस को एक हिंट दी है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट साझा की जिसके कैप्शन में उन्होंने 'कमिंग सून' लिखा है। वहीं, वीडियो में अजय कहते हैं, 'कभी-कभी कुछ बातें हमें अंदर से परेशान करती हैं। आज हमारे सामने एक ऐसा सच है जिसे जानकर मैं दंग रह गया हूं। मैं जल्द ही इसे आपके सामने पेश करूंगा।'एक्टर के इस पोस्ट को फैंस 'क्राइम पेट्रोल' के नए सीजन से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं कुछ का कहना है कि अजय नेटफ्लिक्स पर कुछ लेकर आने वाले है। हालांकि, इस पूरे मामले पर मेकर्स की तरफ से अब तक कोई ऑफिशियल जानकारी साझा नहीं की गई है।

आकाश, समीर और सिड आज भी वैसे ही लगते हैं : फरहान

मुंबई। एक्टर आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना की आइकोनिक फिल्म 'दिल चाहता है' को सोमवार को रिलीज हुए 25 साल हो गए, फिर भी इस फिल्म का जादू आज भी फैंस के दिलों में मौजूद है। इस खास मौके पर फरहान अख्तर ने भी एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे होने पर एक्टर फरहान अख्तर ने एक खास पोस्ट शेयर की। पोस्ट में उन्होंने फिल्म के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। साथ ही इमोशनल कैप्शन लिखते हुए उन्होंने कहा- 'यकीन ही नहीं हो रहा कि 25 साल हो गए आकाश, समीर और सिड तो आज भी वैसे ही लगते हैं, जैसे एक दिन भी बड़े नहीं हुए। दिल से शुक्रिया आप सभी दर्शकों का, जिन्होंने इसे आज तक जिंदा रखा और इतना खास बनाए रखा। आप सबको ढेर सारा प्यार।'बता दें कि यही वो फिल्म थी, जिससे फरहान अख्तर ने अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म को लेकर दिलचस्प बात यह है कि फरहान ने अपनी पहली फिल्म तब लिखी थी जब वह जीवन को लेकर उलझन में थे।

उस समय में हिंदी सिनेमा कुछ अलग पैमानों पर फिल्में बनाई जाती थीं, लेकिन फरहान ने अपने दिल की सुनी और एक ऐसी फिल्म बनाई जिसने उन पैमानों को तोड़ दिया। इस फिल्म ने गोवा में टूरिज्म को भी बढ़ावा देने में काफी मदद की। इस खास मौके पर फरहान अख्तर ने एक और पोस्ट शेयर की है। ये पोस्ट युवा फिल्ममेकर्स जुड़ी है। दरअसल दिल चाहता है निर्देशक के तौर पर फरहान अख्तर की पहली फिल्म थी। इसके 25 साल पूरे होने पर फरहान और भारतीय प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने मिलकर एक नई पहल की शुरुआत की है। उन्होंने एक्सेल ओरिजिन्स नाम से एक नई पहल का आगाज किया है, जिसका मकसद 30 साल से कम उम्र के डायरेक्टर्स और राइटर्स को अपना आइडिया दुनिया के सामने शेयर करने का मौका मिलेगा।

मिर्जापुर द मूवी के नए पोस्टर जारी एक्शन अंदाज में दिखे कलाकार

मुंबई। जल्द ही पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी'का ट्रेलर रिलीज होगा। इससे पहले मेकर्स ने इसके कुछ पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें पंकज त्रिपाठी के अलावा तीन अन्य कलाकार दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी'के नए पोस्टर में गुड्डू पंडित के रोल में अली फजल और बबलू पंडित के किरदार में जितेंद्र कुमार दिखाई दे रहे हैं। वहीं, कालीन भैया के रोल में पंकज त्रिपाठी और दिव्यंदु मुन्ना भैया के रोल में नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर फिल्म के ट्रेलर रिलीज से दो दिन पहले मेकर्स ने जारी किए हैं। इस फिल्म का ट्रेलर 11 अगस्त को रिलीज होगा। इस फिल्म में कई जाने-पहचाने किरदारों की वापसी हो रही है। यह कहानी चर्चित सीरीज से बड़े पर्दे पर आ रही है। जितेंद्र कुमार 'बबलू पंडित' का किरदार निभा रहे हैं, जिसे पहले सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था। वह पोस्टर में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं। वहीं अली फजल 'गुड्डू पंडित' के रोल में दिख रहे हैं, जिनके हाथ में भी गन है। दोनों का यह अंदाज फैंस का पसंद आया है। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' 4 सितंबर, को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह हिंदी और तेलुगु भाषा में भी रिलीज होगी। इसमें रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंग्शा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेन्द्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी नजर आएंगे। गुरमीत सिंह द्वारा यह फिल्म निर्देशित की गई है। वहीं पुनीत कृष्णा इसके लेखक हैं। इसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं।

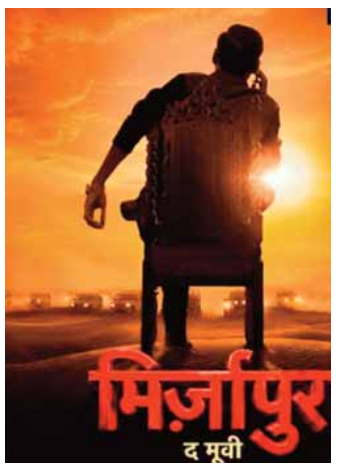

भारत भाग्य विधाता से केबीसी 18 तक

इस सप्ताह ओटीटी पर लगेगा मनोरंजन का मेला

नई दिल्ली। ओटीटी पर अगस्त का पहला वीक काफी शानदार रहा। मैं वापस आऊंगा से लेकर ऑपरेशन सफेद सागर तक, कई दिलचस्प फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। सोमवार से एक नया सप्ताह शुरू हो गया है। इस बार भी पिटारे में काफी कुछ शानदार है।

कौन बनेगा करोड़पति 18

इस वीक का पहला शगुन 'केसीबी 18' है। क्विज रियलिटी शो का 18वां सीजन 10 अगस्त से शुरू हो गया है। एक बार फिर अमिताभ बच्चन बतौर होस्ट कमान संभालने वाले हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' को दर्शक रात नौ बजे से सोनी लिव पर देख सकते हैं।

भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत की फिल्म भी इस वीक दस्तक देगी। यह फिल्म इस साल जून में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब ओटोटी पर स्ट्रीम होगी। इस फिल्म को दर्शक स्वतंत्रता दिवस के मौके पर परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं। कंगना की यह फिल्म 14 अगस्त से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। फिल्म को जी5 पर स्ट्रीम किया जाएगा।

कॉकटेल 2

शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म भी इस बार की लिस्ट में शामिल है। कॉकटेल 2 14 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। बता दें कि यह फिल्म 19 जून को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।

बिग बॉस- द कॉमन मैन

यह तमिल भाषा के लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' का एक डिजिटल प्री-शो और स्पिन-ऑफ है। यह 16 अगस्त को रिलीज होगा। इसे दर्शक जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। यह नया रियलिटी शो 'बिग बॉस' की दुनिया का ही एक हिस्सा है, जिसमें आम लोगों को कंटेस्टेंट के तौर पर बुलाया जा रहा है। शो का विनर विजय सेतुपति द्वारा होस्ट किए जाने वाले 'बिग बॉस तमिल' के आने वाले सीजन 10 में हिस्सा लेने का हकदार होगा।

ट्रेटर्स 2

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का ऐलान भी हो चुका है और इस वीक से यह स्ट्रीम भी होगा। करण जौहर के इस रियलिटी शो के दूसरे सीजन में मल्लिका शेरावत, रिया चक्रवर्ती, मुनव्वर फारुकी, क्रिस्टल डिसूजा समेत 21 सेलिब्रिटीज हिस्सा लेंगे। 'द ट्रेटर्स सीजन 2' 13 अगस्त से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

इन द ग्रे

यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म है, जिसमें थ्रिल भी भरपूर मिलेगा। फिल्म का निर्देशन गॉय रिची ने किया है। इसमें जेक जिलनहॉल और हेनरी कैविल अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

सांची की ब्रांडिंग को नया नजरिया देने की पहल

'जो सबसे अच्छा दिखता है, वही सबसे अधिक बिकता है': डॉ. संजय गोवाणी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

एक कहावत लंबे समय से प्रचलित है 'जो दिखता है, वही बिकता है, लेकिन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (एमपीसीडीएफ) ने अब इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए सांची की ब्रांडिंग को नया नजरिया देने की पहल की है।

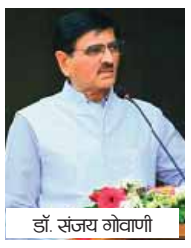
डॉ. संजय गोवाणी

एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी ने इसे नए अंदाज में पेश करते हुए कहा है कि 'जो सबसे अच्छा दिखता है, वही सबसे अधिक बिकता है। एमपीसीडीएफ ने सांची की नई पैकेजिंग में आकर्षक डिजाइन के साथ मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित करने के साथ सांची के उत्पादों को बाजार में अलग पहचान दिलाना है। महासंघ का लक्ष्य सांची को मध्यप्रदेश तक सीमित न रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी ब्रांड के रूप में स्थापित करना है। नई पैकेजिंग को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं प्रबंध संचालक गोवाणी ने कहा कि महासंघ का फोकस सांची को केवल मध्यप्रदेश तक सीमित रखने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी ब्रांड के रूप में स्थापित करने पर भी है। ऐसे में नई पैकेजिंग को सिर्फ बाहरी बदलाव नहीं, बल्कि सांची की ब्रांडिंग और बाजार रणनीति में बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

नई ब्रांडिंग

नई पैकेजिंग में दिख रही है गोंड कला की झलक : सीईओ जोशी

भोपाल सांची दुग्ध संघ के सीईओ प्रितेश जोशी के अनुसार नई पैकेजिंग में मध्यप्रदेश की गोंड कला को विशेष स्थान दिया गया है। इसमें गाय, ग्रामीण आवास, दूध के कैन और महिला दुग्ध उत्पादकों जैसे प्रतीकों को कलात्मक रूप से दर्शाया गया है। इससे पैकेजिंग में स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि एमपीसीडीएफ की यह पहल सांची को मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पादों की श्रेणी में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। आकर्षक पैकेजिंग के जरिए नए उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने और नए उत्पाद वर्गों में विस्तार का प्रयास किया जा रहा है।

प्रितेश जोशी

सांची पार्लरों पर सांची उत्पाद के अलावा दूसरे सामान की बिक्री पर होगी कार्रवाई

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (एमपीसीडीएफ) ने राजधानी में संचालित सांची कॉर्नरों और पार्लरों पर सांची उत्पादों के अलावा अन्य सामग्री की बिक्री को लेकर सख्त रुख अपनाने की तैयारी की है। भोपाल सांची दुग्ध संघ के अधिकारियों के अनुसार पार्लरों पर नियमों के विपरीत अन्य सामान बेचने वाले संचालकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक सांची पार्लरों का उद्देश्य मुख्य रूप से दूध और सांची ब्रांड के अन्य उत्पादों की बिक्री करना है। इसके बावजूद कुछ पार्लरों पर सांची उत्पादों के अलावा अन्य खाद्य सामग्री और सामान बेचे जाने की शिकायतें सामने आई हैं।

सांची पार्लर

पहले नोटिस, फिर कार्रवाई

भोपाल सांची दुग्ध संघ अब ऐसे पार्लर संचालकों को नोटिस जारी कर अन्य सामग्री की बिक्री बंद करने की हिदायत देगा। संचालकों को स्पष्ट रूप से कहा जाएगा कि पार्लर पर निर्धारित सांची उत्पादों की ही बिक्री की जाए। अधिकारियों ने बताया कि नोटिस के बाद भी यदि संचालक नियमों का पालन नहीं करते और पार्लर पर दूसरे सामान की बिक्री जारी रखते हैं, तो संघ की ओर से नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पार्लरों की जांच की तैयारी

संघ द्वारा सांची पार्लरों की गतिविधियों पर नजर रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। कार्रवाई का उद्देश्य सांची पार्लरों की पहचान और निर्धारित बिक्री व्यवस्था को बनाए रखना है। अधिकारियों का कहना है कि पार्लर संचालकों को पहले नियमों की जानकारी देकर व्यवस्था सुधारने का अवसर दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद भी उल्लंघन जारी रहने पर कार्रवाई की जाएगी।

आदेश किया जा चुका है जारी

इस संबंध में महासंघ द्वारा आदेश जारी किया गया है टीम को पार्लरों का निरीक्षण का दायित्व सौंपा गया है। सांची पार्लर पर सांची उत्पादों के अलावा अन्य दूसरे सामान की बिक्री नहीं करने की हिदायत देने को कहा है।

डॉ. संजय गोवाणी
प्रबंध संचालक, एमपीसीडीएफ

तेजी आने खरीदारों और निवेशको में चिंता बढ़ी

एक हफ्ते में सोना 9,400 रुपए और चांदी 17,000 रुपए से ज्यादा महंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी ने निवेशकों और आम खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। बीते एक सप्ताह में सोना करीब 9,400 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी की कीमत में 17,000 रुपए से ज्यादा प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि मौजूदा स्तर पर सोना-चांदी खरीदा जाए या कीमतों में संभावित गिरावट का इंतजार किया जाए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 0.27 प्रतिशत यानी 417 रुपए की बढ़त के साथ करीब 1,52,237 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,52,999 रुपए का - उच्चतम और 1,51,461 रुपए का निचला स्तर छुआ।

सोना-चांदी

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले कारोबारी सप्ताह यानी 4 अगस्त को सोना करीब 1,43,559 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला था। इसके मुकाबले मौजूदा कीमत करीब 1.53 लाख रुपए के स्तर तक पहुंच चुकी है। यानी एक सप्ताह के दौरान सोने में तेज उछाल देखने को मिला है। इसी तरह सितंबर डिलीवरी वाली चांदी भी मजबूत तेजी के साथ कारोबार करती दिखी। चांदी की कीमत 0.82 प्रतिशत यानी 1,899 रुपए बढ़कर करीब 2,33,365 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। कारोबारी सत्र में चांदी का उच्चतम स्तर करीब 2,31,466 रुपए और निचला स्तर 2,31,660 रुपए बताया गया है।

एक्सपर्ट्स ने जताई बड़ी गिरावट की आशंका

सोने-चांदी में लगातार हो रही तेजी के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा तेजी के बाद कीमतों में कभी भी तेज करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में ऊंचे स्तर पर एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय निवेशकों को बाजार की चाल और अपनी जरूरत को ध्यान में रखकर फैसला लेने की सलाह दी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने-चांदी की कीमतों में तेजी के बाद बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

कारोबारों के लिए स्मार्ट कॉमर्स और पेमेंट्स को नई गति देगा एडाप्टिस

मुंबई। भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटल कॉमर्स के बीच कारोबारियों की पेमेंट, कॉमर्स और बिजनेस संचालन से जुड़ी जरूरतों को एकीकृत रूप से पूरा करने के उद्देश्य से एनटीटी डेटा पेमेंट सर्विसेज इंडिया ने अपने नए सर्विस ब्रांड एडाप्टिस की शुरुआत की है। एडाप्टिस के तहत कंपनी ने भुगतान स्वीकार करने की सेवाओं, व्यापारियों के लिए समाधान, वैल्यू-एडेड सर्विसेज और कॉमर्स से जुड़ी सुविधाओं को एक ही ब्रांड के अंतर्गत लाया है। प्लेटफॉर्म को स्थानीय दुकानदारों, एमएसएमई और बड़े उद्यमों सहित विभिन्न श्रेणी के कारोबारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।कंपनी के अनुसार, एडाप्टिस व्यापारियों को पेमेंट स्वीकार करने, कारोबार के संचालन को आसान बनाने तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने में मदद करेगा। इसके जरिए बिजनेस से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को एक एकीकृत प्लेटफॉर्म से संचालित करने की सुविधा उपलब्ध होगी। एनटीटी डेटा पेमेंट सर्विसेज इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ ताकेओ उएनो ने कहा कि भारत कंपनी की क्षेत्रीय विकास रणनीति का अहम बाजार है।

सेबी की वार्षिक रिपोर्ट

म्यूचुअल फंड में लावारिस पड़े 3,811 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश का चलन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ निवेशकों की बड़ी रकम के लावारिस पड़े होने का मामला भी सामने आया है। सेबी की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक म्यूचुअल फंडों के पास कुल 3,811 करोड़ रुपए की लावारिस रकम पड़ी थी। इसमें लावारिस लाभांश और लावारिस रिडेम्पशन की राशि शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लावारिस लाभांश में 15.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 2,324 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,689 करोड़ रुपए हो गया। यानी एक साल में लावारिस लाभांश की राशि में 365 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ।

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नही होगी।

कार्यालय रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाऐं, मध्यप्रदेश
खण्ड "घ" प्रथम तल, विन्ध्याचल भवन, भोपाल
सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 की धारा 27 के अधीन वार्षिक विवरणी तथा धारा 28 के अधीन परीक्षित लेखा पत्रक दिनांक 17/08/2026 से सभी संभागीय कार्यालय व्दारा एमपीऑनलाईन के पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किये जावेगे।
रजिस्ट्रार,
G-16955/26 फर्म्स एवं संस्थाऐं, मध्यप्रदेश

आवश्यक सूचना
समस्त अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST) हेतु भरे गए ऑनलाईन आवेदन पत्रों के विवरणों में सुधार करने के लिए दिनांक 11.08.2026 और 12.08.2026 को सुधार विंडो (Correction Window) खुली रहेगी। यदि आप अपने बच्चे के आवेदन पत्र में कोई आवश्यक संशोधन करना चाहते हैं तो उक्त समयावधि के दौरान अधिकारिक पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं।
पोर्टल लिंक- https://cbseitms.rcil.gov.in
प्राचार्य
जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

पंजीयन क्र. 85 दिनांक 23.03.1962
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छतरपुर (म. प्र.)
प्रधान कार्यालय आकाशवाणी तिराहा, जिला छतरपुर म.प्र. पिन नं. 471001
Mob. No. CEO-9425766576, OS-8349201943, Acc. 8349201914
Mob. No.- Market.-8349201917, Field-8343201915
E-mail-cbs1chhatarpur.mp@gmail.com, Web-www.dccbchhatarpur.com
क्रमांक/लेखा/2026/1048 छतरपुर दिनांक. 10.8.2006
वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु बैंक के सतत् अंकेक्षण एवं आई एस अंकेक्षण हेतु चार्टर्ड एकाउण्टेंट की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रण सूचना
वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु बैंक की 20 शाखाओं एवं प्रधानकार्यालय का त्रैमासिक आधार पर सतत् एवं वार्षिक आधार पर इन्फोमेशन सिस्टम ऑडिट (आईएस अंकेक्षण) कराया जाना है, इस हेतु नाबार्ड पैनल में पंजीकृत एवं अनुभवी लेखाकारों (चार्टर्ड एकाउण्टेंट) से लिखित आवेदन / प्रस्ताव दिनांक 17.08.2026 को शाम 5.00 बजे तक आंमत्रित किये जाते हैं। इच्छुक चार्टर्ड एकाउण्टेंट निर्धारित तिथि एवं समय तक अपना प्रस्ताव जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित प्रधान कार्यालय छतरपुर में बंद लिफाफे में प्रेषित करें। प्राप्त आवेदनों को स्वीकार / अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय बैंक का होगा। सनदी लेखापाल को सीसा / डीसा प्रमाण पत्र धारी होना आवश्यक है। लेखा परीक्षण के लिये नाबार्ड एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं भोपाल से जारी शर्तों को मान्य करना होगा।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
Office: Municipal Council Kotma Dist-Anuppur (M.P.) Email-cmokotma@gov.in Phone-(07658)23360
क्रमांक. 2005/ न.प./राजस्व/नि.सू./2026-27 **// निविदा सूचना //** कोतमा दिनांक-05/08/2026
वार्ड क्र. 04 "श्यामा प्रसाद मुखर्जी शॉपिंग कॉम्पलेक्स की निम्नानुसार दुकानों के ई-नीलामी हेतु उच्चतम दरें आमंत्रित है। ई-नीलामी की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देख जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	दुकान क्रमांक / श्रेणी	आरक्षित मूल्य	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं धरोहर राशि	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2026_UAD_527070_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 01 श्रेणी- अनारक्षित	754400.00	2000.00 19000.00	21.08.2026
02.	2026_UAD_527081_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 02 श्रेणी- अनारक्षित	679300.00	2000.00 17000.00	21.08.2026
03.	2026_UAD_527089_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 03 श्रेणी अनुसूचित जाति	726900.00	2000.00 18200.00	21.08.2026
04.	2026_UAD_527093_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 04 श्रेणी- अनारक्षित	989300.00	2000.00 24800.00	21.08.2026
05.	2026_UAD_527096_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 05 श्रेणी- अनारक्षित	1014300.00	2000.00 25400.00	21.08.2026
06.	2026_UAD_527102_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 06 श्रेणी - अनुसूचित जनजाति	864500.00	2000.00 21700.00	21.08.2026
07.	2026_UAD_527139_1 Date -05.08.2026	दुकान क्र. 07 श्रेणी- अनारक्षित	1323000.00	2000.00 33100.00	21.08.2026

नोट:-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद, कोतमा
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय मध्य वनवृत्त स्टेशन रोड जबलपुर - 482001
दूरभाष क्र. 0761-2624341 ई-मेल- ccf.jbp@mp.gov.in
उत्पादन वनमंडल डिन्डौरी के अन्तर्गत साल बोरर से प्राप्त ईमारती / जलाऊ काष्ठ एवं उत्पादन वनमंडल मंडला के अन्तर्गत कूपो से प्राप्त ईमारती / जलाऊ काष्ठ के परिवहन हेतु संक्षिप्त निविदा / नीलाम सूचना की विज्ञप्ति, वर्ष 2026-2027
मध्यवृत्त जबलपुर के अर्न्तगत वर्ष 2026 2027 में उत्पादन वनमण्डल डिण्डोरी में उत्पादित साल बोरर प्रभावित वृक्षो से ईमारती / जलाऊ काष्ठ एवं उत्पादन वनमंडल मंडला के अंतर्गत कूपो से प्राप्त ईमारती / जलाउ काष्ठ के परिवहन हेतु परिवहन समूहों की कार्यालय मध्य वन वृत्त जबलपुर में निम्न तिथियों में मुहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है, प्राप्त निविदाऐं उक्त दर्शित तिथियो मे मध्यवृत्त कार्यालय जबलपुर में ही निविदाकारों के समक्ष खोली जावेंगी।

क्र.	निविदा क्रम	मध्य वन वृत्त कार्यालय जबलपुर में निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	संबंधित वनमंडल कार्यालय मे निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खुलने की तिथि व समय
1	प्रथम निविदा	18-08-2026 (14.00 बजे तक)	17-08-2026 (17.00 बजे तक)	18-08-2026 (15.00 बजे से)
2	द्वितीय निविदा	25-08-2026 (14.00 बजे तक)	24-09-2026 (17.00 बजे तक)	25-08-2026 (15.00 बजे से)
3	तृतीय निविदा	02-09-2026 (14.00 बजे तक)	01-09-2026 (17.00 बजे तक)	02-09-2026 (15.00 बजे से)
4	नीलाम परिवहन समूह अवशेष रहने की स्थिति में	10-09-2026 को साय 14.00 बजे से वृत्त कार्यालय मध्य वन वृत्त जबलपुर मे		

प्रत्येक परिवहन समूह के लिये निविदा अलग-अलग निविदा फार्म में दी जावेगी। निविदा हेतु निविदा फार्म एवं/ विस्तृत शर्तें, परिवहन समूहों की सूची एवं अन्य जानकारियाँ वृत्त कार्यालय एवं संबंधित वनमण्डल कार्यालय में कार्यालयीन दिवस व समय में प्राप्त की जा सकती है साथ ही निविदा फार्म 100 रुपए अदायगी कर प्राप्त किए जा सकते है। निविदाकार के द्वारा दी गई निविदा के संबंध में यह माना जावेगा कि निविदाकार को निविदा की सभी शर्तें मान्य है। परिवहन समूहो के लिये प्रत्येक निविदा के साथ सत्यकार की राशि के रूप में रुपए 3000 / - (तीन हजार) मात्र बैक डिपाजिट / काल डिपाजिट जो स्टेट बैंक आफ इंडिया अथवा किसी अधिकृत बैक का संलग्न करना अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार के वाद विवाद होने की स्थिति मे संबंधित मुख्य वनसंरक्षक का निर्णय अतिम होगा। निविदा / नीलाम के संबंध में अन्य जानकारी उत्पादन वनमण्डल डिण्डोरी कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07644-234312 एवं उत्पादन वनमंडल मंडला कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07642-252449, से प्राप्त की जा सकती है, एवं विभागीय बेवसाईट www.mpforest.gov.in पर भी देखी जा सकती है। कार्यालय मध्य वन वृत्त जबलपुर / संबंधित वनमंडल कार्यालय मे आयोजित की निविदाओं / नीलाम मे भाग लेने हेतु प्रत्येक परिवहन कर्त्ता के पास वेध जीवित जी.एस.टी.एन. नम्बर अनिवार्य रहेगा।
G-16958/26 "स्वच्छता ही सेवा"
मुख्य वनसंरक्षक
मध्यवृत्त जबलपुर

शब्द पहेली - 6314

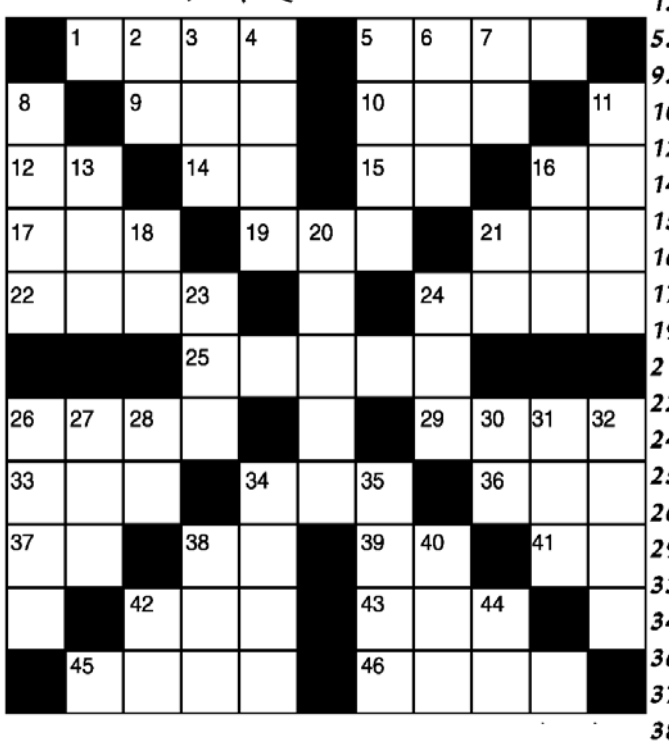

बाएँ से दाए
1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 6313 का हल

सूडोकु नवताल - 6324

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6323 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

विशेष
स्वतंत्रता दिवस

सहेली

आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी भारतीय महिलाएं कई मोर्चों पर खुद को आजाद महसूस नहीं कर पाती हैं। सशक्तिकरण के लिए बनाई गईं सरकारी नीतियों, संवैधानिक अधिकार मिलने के बावजूद आज भी वे मानसिक जकड़बंदियों में कैद महसूस करती हैं। देश की आधी आबादी को पूर्ण आजादी की अनुभूति तभी हो सकती है, जब वह इसे अपने मन-जीवन के हर पहलू में महसूस करेगी।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

सच्ची अनुभूतियों में बसे आजादी

हमारा देश आजाद है। हमारा संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मानवीय मोर्चे पर भी स्वतंत्र भारत के समाज में स्त्री-पुरुष समानता का भाव बढ़ा है। बावजूद इसके स्त्रियां मन से आजादी को नहीं जी पातीं। आज भी बहुत-सी महिलाओं के लिए स्वाधीनता जीवन का सहज रूप से जीया जाने वाला हिस्सा नहीं बन सका है। असल में परिवार और परिवेश के हालात ही नहीं, स्वयं महिलाओं का मन भी आजादी के खुशगवार रंगों को जीने में हिचकिचाता है। स्वतंत्र होने के सच्चे भाव-चाव को अपनाने में सकुचाता है। जाने-अनजाने स्त्रियों के विचार और व्यवहार परतंत्रता की अदृश्य परिधि में सिमटकर रह जाते हैं। एक चर्चित और सशक्त विचार है 'मजबूत स्त्रियां आजादी मांगती नहीं हैं, आजादी को जीती हैं।' ऐसे में जरूरी है कि देश की आधी आबादी, अपनी स्वतंत्रता के लिए किसी तरफ न देखे, पूरी सहजता और सच्ची अनुभूतियों संग अपनी आजादी को जीए। कहने का अर्थ है खुदमुख्तारी की उज्ज्वल रंगत खुलकर जीने की सोच ही महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास का सतरंगी उजास भर सकती है।

बेहिचक स्वीकारें बदलाव

स्त्रियों के जीवन में समय के साथ बदलने की रफ्तार थोड़ी कम होती है। उनकी जिंदगी का दायरा जरा सिमटा-सहमा ही रहता है। समझना जरूरी है कि बदलाव के इस मोर्चे पर बेहतरी लाने के लिए कोई बाहरी नियम-कायदे काम नहीं आ सकते। सरकार की पॉलिसीज दिल की दुनिया नहीं बदल सकतीं। स्त्रियों को खुद अपने आप को इस बेबसी के तयशुदा घेरे से बाहर लाना चाहिए। गौरतलब है, इस साल हमारा देश अपनी आजादी का 80वां उत्सव मनाने जा रहा है। आजादी के इतने वर्षों में समाज-परिवार और रिश्तों-नातों से जुड़ी अनगिनत बातों-हालातों में बदलाव आने के बाद भी बहुत-सी स्त्रियां मन के बनाए खांचे से बाहर नहीं आ सकी हैं। भावनाओं की उठा-पटक और नएपन को स्वीकारने का भय आज भी उनकी जिंदगी में मौजूद रहता है। ऐसे में रहन-सहन से लेकर काम-काजी बनने या कुछ मन का करने तक, हर बदलाव को बेहिचक स्वीकारने की सोच बेहद जरूरी है। चर्चित अमेरिकी लेखक हंटर स्टॉकटन थॉम्पसन के मुताबिक, 'स्वतंत्रता एक ऐसी चीज है, जिसका उपयोग नहीं किया जाए तो यह मर जाती है।'

कीजिए खुद को आजाद

महिलाओं के लिए अपनी स्वतंत्रता को सहजता से जीने के लिए अपने मन के बनाए बंधन भी तोड़ने होंगे। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश के बरसों से चले आ रहे दबावों और बंदिशों से मुक्त होकर अपनी पसंद को प्राथमिकता देनी होगी। अपनी योग्यता को निखारना होगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना होगा। हर डर और हर उलझन से बाहर आकर अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने की राह पकड़नी होगी। असल में भारतीय समाज की रूपरेखा ही ऐसी है कि पहले से बने सामाजिक सांचे ही नहीं, खुद महिलाओं के मन के खांचे भी उन्हें बांधे रखते हैं। दिल की बात कहने से रोकते हैं। उनकी अपनी संवेदनाएं ही बेहिचक अपनी बेहतरी का रास्ता चुनने में बाधा बनती हैं। हमारे यहां स्त्रियां अपने दायित्वबोध के भाव के लिए भी बहुत मान पाती हैं। जरूरी यह है कि यह जवाबदेही आपके अपने जीवन की जद्दोजहद न बढ़ाए। हर मामले में दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को ढालने के बजाय अपनी सच्ची भावनाओं को जीना ही आजाद होना है। याद रहे, आपके मन की स्वतंत्र अनुभूतियां भीतर की भावनात्मक दुनिया का सच्चा आईना होती हैं। जिसमें सामाजिक नियमों, रूढ़िवादी विचारों, परंपरागत बंधनों और तयशुदा दायित्वों से दूर अपने अस्तित्व, सपनों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब दिखता है। अपने इस आंतरिक साए को हर दबाव से आजाद कीजिए।

भावनात्मक मोर्चे पर संतुलन साधिए

आज भी बहुत-सी स्त्रियां अपनी भावनाओं को दबाकर औरों की सहजता के मुताबिक जीती हैं। यह बनावटी बर्ताव बाहरी व्यक्तित्व के रंग तो छीनता ही है, मन को भी अशांत रखता है। यही वजह है कि अपनी सच्ची अनुभूतियों में बसी आजादी को जीने के लिए इमोशनली बैलेंस रहना बेहद जरूरी है। घर हो या बाहर,भावनाओं की स्वायत्तता सबसे जरूरी है। अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सोच-समझ का एक स्वतंत्र संसार बसाना हर स्त्री के लिए आवश्यक है। देखने में आता है कि मन हो या जीवन, भावनाओं में बहना महिलाओं को पराधीन ही बनाता है। भावनाओं में बहने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाने से अपने अधिकार हासिल करने की सजगता आती है। अपने अस्तित्व की चेतना को बल मिलता है। स्वतंत्र होने के यही सही मायने भी हैं। अमेरिकी गायक और गीतकार जिम मॉरिसन के शब्दों में 'स्वतंत्र होने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका वह होना है, जो आप वास्तव में हैं। अगर किसी एक भूमिका के लिए आप अपनी वास्तविकता को छोड़ते हैं। एक खास काम के लिए अपनी भावनाओं से दूरी बनाते हैं। महसूस करने की अपनी क्षमता छोड़कर एक मुखौटा पहन लेते हैं, तो यह आजादी नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत क्रांति हुए बिना बड़े पैमाने पर कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। इस रेवोल्यूशन को पहले आपके अंदर होना होगा। हर स्त्री को यह समझना चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए। a

विचार

आधी आबादी को ऐसे मिलेगी पूरी आजादी

अपने देश को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इतना वक्त बीतने के बाद भारतीय महिलाओं के संदर्भ में आजादी के क्या मायने हैं? वे कौन से सामाजिक, राजनैतिक कारण हैं, जिससे देश की महिलाएं संपूर्ण आजादी से अभी भी वंचित हैं? महिलाएं संपूर्ण आजादी हासिल करने के लिए स्वयं किस तरह के प्रयास या संघर्ष करें, जिससे उनका बहुमुखी विकास हो? अलग-अलग क्षेत्रों की दो जानी-मानी महिलाएं **सहेली** से साझा कर रही हैं अपने विचार।

सामर्थ्य और चेतना से मिलेगी पूरी आजादी

सूर्यबाला, साहित्यकार

आजादी की बात करने से पहले आजादी का मतलब समझना होगा। आजादी का मतलब अनियंत्रित उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता नहीं है। स्त्रियों के संदर्भ में बात करें, तो स्त्री की आजादी का यह भी तात्पर्य नहीं है कि जो-जो पुरुष कर रहा है, वह सब स्त्री भी करे। आजादी हमारा संवैधानिक अधिकार तो है ही! साथ ही यह हमारी संवेदना की चीज है। यह हमारी सोच और समझ से जुड़ी है। सोच-समझ बदलने से ही वास्तविक आजादी प्राप्त होगी। भारतीय समाज का जो ढांचा है, उसमें महिलाओं को वो सुविधाएं मिलें, जिसमें वो अपने मन मुताबिक काम कर सकें। स्त्री की संवेदनाओं को, उसकी आकांक्षाओं को, उसके मन को, उसके श्रम को समझा जाए। स्त्री के पारिवारिक योगदान को कोर्ट-कचहरी आंक रही है, मगर समाज नहीं समझता! यह जरूरी है कि उसके श्रम का सही मूल्यांकन हो। समाज, परिवार उसके महत्व को समझें। उसको सुविधाएं दें। यही महिलाओं के लिए आजादी का सही तात्पर्य है। यदि आज की स्त्री की तुलना हम तीस-चालीस साल पहले की स्त्रियों से करें तब हमें समझते देर न लगेगी कि आज की स्त्री कितनी आजाद है। यह भी समझ आएगा कि स्त्री अपनी आजादी का कितना सदुपयोग व कितना दुरूपयोग कर रही है। मेरे विचार से स्त्री आजादी का जो प्रश्न है, वह कानूनी और संवैधानिक कम और नैतिक-सामाजिक ज्यादा है। पुरुष जब अपनी सोच में उदार होगा तभी स्त्री को उसकी अपेक्षित आजादी मिल पाएगी। हम दशकों से दहेज प्रथा हटाने की बातें कर रहे हैं। लेकिन आज भी यह प्रथा जस की तस कायम है। इसका कारण है हमारा चारित्रिक पतन। इधर कुछ घटनाएं ऐसी घटी हैं, जिनसे स्त्रियों के भी क्रूर रूप को दिखाया है। तो कुल मिलाकर समाज का चारित्रिक पतन हुआ है। जो स्त्री की आजादी में बाधा है। आज की स्त्री अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों को छोड़कर पुरुष के गुण-अवगुण को अपना रही है। स्त्री पर तो खुद पुरुष को बनाने की जिम्मेदारी है। वह पुरुष की भी संरक्षिका है। अपने गुणों को छोड़ देगी तो कैसे होगा? स्त्रियों की असली आजादी केवल कानून बनाकर या जबरदस्ती नहीं हासिल की जा सकती। वास्तविक सामर्थ्य और वास्तविक चेतना हासिल करके ही यह आजादी पाई जा सकती है। समाज के प्रति, अपने प्रति, परिवार के प्रति, साथ रहने वालों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की चेतना जागृत होनी चाहिए। हमें सबकी भावनाओं, जरूरतों का भी ध्यान रखकर चलना होगा। सबका सम्मान करना होगा तभी परिवार समाज और विश्व चल पाएगा। a

अभी आजादी की लंबी यात्रा तय करनी है

डॉ. रीता गंगवानी (रिटायर्ड लेफ्टिनेंट) पर्सनालिटी ग्रूमिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए आजादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की क्षमता है। आज भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि शहरों और गांवों, पढ़ी-लिखी और वंचित महिलाओं के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसलिए मैं कहूंगी कि महिलाओं ने आजादी की ओर लंबी यात्रा तय की है, लेकिन मंजिल तक पहुंचना अभी बाकी है। हमारा संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है, लेकिन असली बदलाव सोच बदलने से आती है। आज भी कई परिवारों में बेटियों और बेटों के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाते हैं। कई महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल इसलिए पीछे रह जाती हैं, क्योंकि उन्हें अवसर या समर्थन नहीं मिलता। कई बार महिलाएं अपनी क्षमता को कम आंकती हैं। वर्षों से बनी सामाजिक धारणाएं उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं। मेरा मानना है कि जब परिवार, समाज और व्यवस्था, तीनों मिलकर महिलाओं पर विश्वास करेंगे, तभी वास्तविक आजादी का सपना पूरा होगा। महिलाएं शिक्षा को अपनी ताकत बनाएं। संवाद कौशल, आर्थिक समझ, डिजिटल ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित करें। महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी बहुत आवश्यक है। महिलाओं के संदर्भ में स्वतंत्र भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हर बेटी यह विश्वास लेकर बड़ी हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। जिस दिन हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएगी, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे। a

प्रस्तुतिः सरस्वती रमेश, अंशु सिंह

आस्था

आर. सी. शर्मा

हरियाली तीज ऐसा बहुरंगी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व है, जिसमें अखंड दांपत्य की कामना के साथ शिव-शक्ति की व्रत-पूजा की जाती है। देश के कई प्रदेशों में यह पर्व पूरे विधि-विधान और सांस्कृतिक उल्लास से मनाया जाता है।

हरियाली तीजः अखंड दांपत्य की कामना-उल्लास का पर्व

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज, भारतीय पर्व-संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक व्रत-पर्व भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष आगामी 15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यताः हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की मंगलकामना के लिए व्रत रखती हैं। वहीं अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, समर्पण, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।

कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्वः हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर की शाही तीज यात्रा (शाही सवारी) विश्व भर में प्रसिद्ध है।

पर्व मनाने का विधानः हरियाली तीज पर्व मनाने की शुरुआत प्रातः स्नान और पूजा की तैयारी से होती है। महिलाएं नए हरे रंग के वस्त्र धारण करती हैं। हाथों और पैरों में मेहंदी लगाई जाती है तथा सोलह श्रंगार किया जाता है। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाएं या चित्र स्थापित किए जाते हैं। उन्हें पुष्प, बेलपत्र, फल, मिठाई और श्रंगार सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखती हैं, हालांकि व्रत की विधि परिवार और परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद महिलाएं तीज की कथा सुनती हैं, आरती करती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं। इसके साथ ही झूला झूलना, लोकगीत गाना, सामूहिक नृत्य करना और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा हैं।

बदलते समय में हरियाली तीजः आज केवल गांव-कस्बों में ही नहीं शहरों-महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वही है- परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही अब पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे 'हरियाली' का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी सिद्ध होता है। हरियाली तीज का यह पर्व केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, समर्पण, विश्वास और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव भी है। a

हेयर स्टाइल

नैंसी गुप्ता

हरियाली तीज पर कैरी करें ये एलिगेंट हेयर स्टाइल

हरियाली तीज के दिन महिलाएं पारंपरिक तौर पर सजती हैं। साड़ी, लहंगा या सूट के साथ मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और गहनों से अपने लुक को संवारती हैं। लेकिन आकर्षक हेयर स्टाइल के बिना कोई भी फेस्टिव लुक अधूरा लगता है। सही हेयर स्टाइल न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है, पूरे एथनिक लुक को भी निखार देती है।

फ्रंट पफ के साथ सिंपल बनः जिन महिलाओं के बाल पतले हैं, वे फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन बना सकती हैं। इससे बाल अधिक घने दिखाई देते हैं और चेहरे को भी आकर्षक फ्रेम मिलता है। यह हेयर स्टाइल गोल और ओवल दोनों तरह के फेस शेप पर अच्छा लगता है। इसके साथ हल्के झुमके और बिंदी आपके लुक को और निखार देंगे।

गजरे वाला लो बन देगा रॉयल लुकः हरियाली तीज पर सबसे पसंदीदा हेयर स्टाइल लो बन है। इसे बनाकर उस पर मोगरा या चमेली का गजरा लगाया जाए तो लुक शाही और पारंपरिक दिखाई देती है। यह हेयर स्टाइल साड़ी, सिल्क सूट और बनारसी लहंगे के साथ खूब जंचता है। लंबे समय तक कंफर्टेबल भी रहता है।

फिशटेल-साइड ब्रेड से मिलेगा एलिगेंट लुकः लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए फिशटेल ब्रेड या साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। इस चोटी को हल्का लूज रखते हुए उसमें छोटे फूल या स्टोन हेयर एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मेंटेन रहता है।

सॉफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइलः यदि आप पारंपरिक और मॉडर्न लुक का संतुलन चाहती हैं, तो सॉफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइल अच्छा विकल्प है। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के ट्विस्ट या छोटी चोटी के साथ पिनअप कर दें और बाकी बाल खुले रखें। इस स्टाइल पर छोटे फूल या पर्ल हेयर एसेसरीज लगाने से लुक और आकर्षक बन जाता है।

फ्लोरल ब्रेडः आजकल फ्लोरल ब्रेड काफी ट्रेंड में है। साधारण चोटी में छोटे-छोटे ताजे फूल या आर्टिफिशियल फ्लोरल एसेसरीज लगाकर उसे नया और खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। यह हेयर स्टाइल खासकर युवा महिलाओं और नई नवेली दुल्हनों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। a

(ब्यूटी एवं हेयर एक्सपर्ट पूजा नागपाल से बातचीत पर आधारित)

646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूं, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे।

अब किस्मत ने पलटी खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

मुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी, क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिसमें पिछले डेढ़ साल में 17 किलो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बावजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक चुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिसने निश्चित रूप से उनके टी20 खेल में सुधार हुआ है।

15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

मुंबई में बेमौसम की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफ़ी मायने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने को पचा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकेनहैम में एक 'इंट्रा-स्क्वाड' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कौड़ी बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लचर प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

सिपन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूत्रों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगूठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रुतुराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के अलावा शायद स्पिन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी है। ध्रुव जुरेल कुछ समय से स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेलेगा।

खबर संक्षेप

ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमें

पेरिस। 'ओरंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीमें बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर थ्राइव' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल

एबेरडीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेश्योर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड्ड ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में पांच शॉट के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाईं।

लंदन चैंपियनशिप : शीर्ष 20 में प्रणवी और अदिति

लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं।

मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना

'इंग्लिश चेस फेडरेशन' (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे ग्रैंडमास्टर डैनी गोमर्ली ने कहा, 'अविश्वसनीय! बोधना जीत गई हैं। वह कमाल की खिलाड़ी हैं, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'

बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक

इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारुपों में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला ब्लिट्ज' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब क्लासिकल प्रारुप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छठे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान

वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उभरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

स्पर्धा में 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप के 122 वर्षों के इतिहास में 2026 में हुई इस प्रतियोगिता को सबसे बड़ा आयोजन बताया गया क्योंकि इसमें 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और ओपन चैंपियनशिप के लिए रिकॉर्ड 34,000 पाउंड की पुरस्कार राशि घोषित की गई।

श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में बेंगलुरु से ब्रिटेन हुए थे शिफ्ट

भारत में जन्में श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में अपने माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ बेंगलुरु से ब्रिटेन चले गए थे। लगभग 8 वर्ष पहले ईसीएफ ने गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) से विशेष अनुरोध किया था कि इस असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को ब्रिटेन में रहने और अपनी प्रतिभा को निखारने की अनुमति दी जाए। पूर्व मंत्री साजिद जाविद ने श्रेयस की इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, '2018 में गृह सचिव के रूप में मैंने श्रेयस और उनके परिवार को ब्रिटेन में रहने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। उनकी असाधारण प्रतिभा को खिलते हुए देखना बेहद सुखद है। श्रेयस, पूरे ब्रिटेन को आप पर गर्व है।

वनडे कप

अल्बर्ट की तूफानी पारी 6 गेंदों पर जड़े 6 छक्के

अल्बर्ट ने सिर्फ 37 गेंदों पर बनाए 86 रन

एजेंसी ▶▶| होव

इंग्लैंड के वनडे कप में 24 साल के बल्लेबाज ने छक्कों की बरसात कर दी। होव में हैम्पशायर का मुकाबला ससेक्स के खिलाफ हुआ। इस मैच में हैम्पशायर के लिए खेलने वाले टॉबी अल्बर्ट ने सिर्फ 37 गेंदों पर 86 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 5 चौकों के अलावा 8 छक्के भी शामिल थे। वह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे और गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

अल्बर्ट ने 26 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

86 रनों की पारी के दौरान टॉबी अल्बर्ट ने अपनी 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के मारे। पहले 43वें ओवर की आखिरी दो गेंद पर दो छक्के लगाए। इसके बाद वह ओली किर्टले के खिलाफ स्ट्राइक पर आए। वहां उन्होंने लगातार चार गेंदों पर चार छक्के मारे। इस तरह अपनी लगातार 6 गेंदों पर अल्बर्ट ने 6 छक्के मारे। 26 गेंदों पर टॉबी अल्बर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस साल के वनडे कप में किसी भी बल्लेबाज की सबसे तेज फिफ्टी है।

सिनसिनाटी ओपन

चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका मानाा जा रहा है।

24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं : सिनर

सिनर ने कहा, अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।

सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप हुई कमजोर

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

एजेंसी ▶▶| यूजीन

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है।

वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इज़ोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अलोंसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

रिले टीम रही अंतिम स्थान पर

पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया।

तलवारबाजी चैंपियनशिप : भारत का दबदबा, अंडर-23 में जीते 17 पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते।

भारतीय तलवारबाजी संघ के अनुसार भारत ने सेबर, फॉइल और ईपी श्रेणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य बदसर ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अश्विनी आर्य और लैशराम मोरम्बा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फॉइल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमश सनसम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की ईपी स्पर्धा में लोकेश वेमानी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शौर्य अश्विनी और गॉडविन अनबकेस ने कांस्य पदक जीते। जोइस आशिता ने महिला फॉइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनागलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला ईपी स्पर्धा में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक जबकि निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते।

विश्व चैंपियनशिप : शी से तीन बार हार चुके हैं 21 वर्षीय शेट्टी

युकी से भिड़ेंगे आयुष, आक्रामक खेल से उलटफेर की तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने कहा कि वह अधिक आक्रामक खिलाड़ी बनने की कोशिशों में लगे हैं और उन्हें विश्वास है कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उनकी यह रणनीति कारगर साबित होगी।

विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे आयुष ने कहा कि वह 17 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में किसी बड़े खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे क्योंकि उन्हें वरीयता नहीं मिली है।

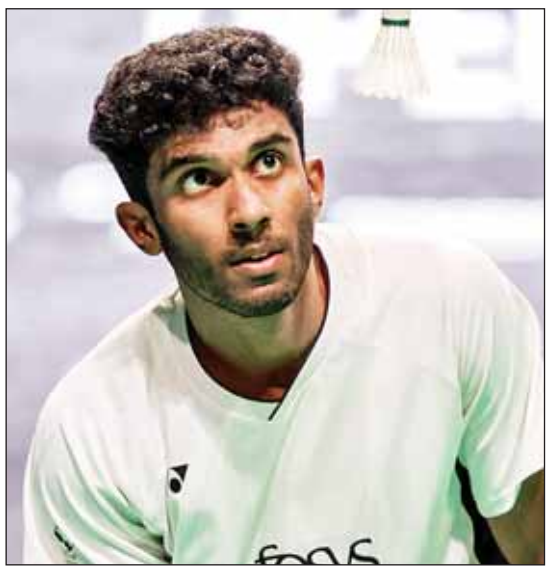

आयुष को नहीं मिली वरीयता

आयुष ने कहा, 'मैं ड्रॉ लाइव देख रहा था। जैसे ही मुझे शी के साथ ड्रॉ का पता चला, मैं तैयार हो गया। मुझे वरीयता नहीं मिली है और इसलिए मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार था।' विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आयुष अभी तक शी से तीन बार हार चुके हैं, जिसमें एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (एबीसी) का फाइनल भी शामिल है, लेकिन उनका मानना है कि इससे उन्हें काफी सीख मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उससे तीन बार हारा हूं। मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, खासकर एबीसी फाइनल में। वह रणनीतिक मामलों में मुझसे बेहतर था लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं पहले से ज्यादा मजबूत महसूस कर रहा हूं।'

इंडोनेशिया के कोच प्रतामा से ट्रेनिंग ले रहे आयुष

आयुष ने कहा, 'वह निश्चित रूप से कड़ा प्रतिद्वंदी है। मुझे एबीसी फाइनल याद है, वह पूरी तैयारी के साथ आया था। मैंने अपने खेल में सुधार किया है। मैं उस मैच का विश्लेषण कर रहा हूं और मानसिक पहलू पर भी ध्यान दे रहा हूं। उसके खिलाफ आपको वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी।' आयुष इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। वह पीवी सिंधु के भी कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। मैं फुर्तीला, तेज और आक्रामक बनने की कोशिश कर रहा हूं।' यह युवा खिलाड़ी सिंधु के साथ अभ्यास भी कर रहा है, जिससे उन्हें अपने आक्रामक खेल को निखारने में मदद मिली है।

नर्मदा का सीना चीर रही अवैध रेत खनन की मशीनें

चार बार टेंडर रद्द, अक्टूबर तक खदानों पर विराम

जबलपुर। जिले में वैध रेत खनन की प्रक्रिया बार-बार अटकने का फायदा अब अवैध कारोबारियों को मिलता दिखाई दे रहा है। पिछले एक वर्ष में रेत खदानों की निविदा प्रक्रिया चार बार निरस्त हो चुकी है। वर्षा ऋतु को देखते हुए नई प्रक्रिया भी अक्टूबर तक रोक दी गई है। ऐसे में नदी घाटों पर रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल तेजी से बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

नर्मदा सहित जिले की विभिन्न नदियों के घाटों से बिना वैध अनुमति और रॉयल्टी के रेत निकाले जाने की बात कही जा रही है। स्थानीय स्तर पर आरोप हैं कि ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपरों के जरिए बड़ी मात्रा में रेत बाजार तक पहुंचाई जा रही है। इससे शासन को राजस्व का नुकसान होने के साथ ही नदी तटों के प्राकृतिक स्वरूप पर भी असर पड़ रहा है।

अंधेरा होते ही बढ़ जाती है गतिविधि

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार दिन की तुलना में रात के समय अवैध उत्खनन अधिक तेजी से होने की शिकायतें हैं। नदी किनारे भारी मशीनें पहुंचने और उनके जरिए रेत निकालने की गतिविधियां देर रात तक चलने की बात कही जा रही है। इसके बाद रेत से लदे वाहन विभिन्न मार्गों से शहर और आसपास के इलाकों की ओर रवाना होते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार आवाजाही के कारण नदी तटों के आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने के बावजूद रेत निकालने का काम किए जाने से श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्रवाई होती है, लेकिन कारोबार फिर शुरू

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई किए जाने के बावजूद इस पर स्थायी रोक नहीं लग पा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ वाहनों या मशीनों पर कार्रवाई के बाद कुछ समय के लिए गतिविधियां थमती हैं, लेकिन हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं। इस पूरे मामले में खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यदि नदी घाटों पर बड़े पैमाने पर मशीनों से उत्खनन और वाहनों से परिवहन हो रहा है तो जिम्मेदार अमला इसे रोकने में क्यों नाकाम है, यह सवाल अब उठने लगा है।

नदी के साथ राजस्व को भी नुकसान

अवैध खनन का असर केवल सरकारी राजस्व तक सीमित नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार नदी के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ होने पर तटों के कटाव, जल प्रवाह में बदलाव और जलीय पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बरसात के मौसम में यह स्थिति और संवेदनशील हो जाती है। अब जबकि वैध रेत खदानों की नई प्रक्रिया अक्टूबर के बाद शुरू होने की संभावना है, तब तक नदी घाटों की निगरानी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। सवाल यह है कि वैध खनन प्रक्रिया बंद रहने की अवधि में नदी से निकल रही रेत पर किसकी नजर है और शासन के राजस्व को हो रहे संभावित नुकसान की भरपाई कैसे होगी? अक्टूबर तक खदानों की वैध प्रक्रिया पर विराम है, लेकिन यदि नदी घाटों पर अवैध उत्खनन जारी रहा तो यह विराम रेत कारोबारियों के लिए अवसर और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

वीवीआईपी इलाके में ताले तोड़कर वारदात पर सवाल

विधायक विश्नोई के भोपाल बंगले में चोरी

जबलपुर। जबलपुर के पाटन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री अजय विश्नोई के राजधानी के हाई सिक्योरिटी क्षेत्र चार इमली में स्थित सरकारी बंगले डी-11/03 में चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अज्ञात बदमाशों ने सूने बंगले के मुख्य द्वार और कमरों के ताले तोड़े और अंदर से पीतल के नल, सैनिटरी फिटिंग, कॉपर वायरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। वारदात की जानकारी रविवार को उस समय हुई, जब अजय विश्नोई भोपाल पहुंचे। बंगले के ताले टूटे मिले और कमरों में सामान बिखरा हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बदमाशों ने रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे बंगले को निशाना बनाया। मुख्य द्वार का ताला तोड़ने के बाद वे कमरों तक पहुंचे और वहां लगे कुंडे व ताले उखाड़ दिए। चोरों ने सैनिटरी फिटिंग को नुकसान पहुंचाकर पीतल के नल और अन्य फिटिंग निकाल लीं। बिजली की कॉपर वायरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी चोरी किए गए हैं। वारदात के बाद बंगले में कई जगह तोड़फोड़ के निशान मिले हैं। इससे पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने ऐसे सामान को चुनकर निकाला, जिन्हें आसानी से बाहर ले जाकर बेचा जा सकता था।

स्पेशल डीजी के आवास के सामने है बंगला

चार इमली में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सरकारी आवास हैं। अजय विश्नोई का बंगला मध्य प्रदेश पुलिस के स्पेशल डीजी अजय शर्मा के सरकारी आवास के सामने बताया जा रहा है। ऐसे हाई सिक्योरिटी इलाके में दिनदहाड़े सूने सरकारी बंगले में घुसकर चोरी की घटना ने निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

सूचना मिलते ही हबीबगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कराया और फॉरेंसिक टीम ने संभावित फिंगरप्रिंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाए। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस चोरी गए सामान की सूची तैयार कर नुकसान का आकलन भी कर रही है।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश

पुलिस चार इमली और बंगले के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। वारदात के दौरान क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध लोगों और वाहनों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बदमाश किस रास्ते से बंगले तक पहुंचे और चोरी के बाद किस दिशा में निकले। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

बरगी बांध का जलस्तर 39 इंच बढ़ा

डिंडौरी-मंडला में तेज बारिश से बढ़ी पानी की आवक

जबलपुर। डिंडौरी, अमरकंटक और मंडला क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश का असर बरगी बांध पर दिखाई देने लगा है। बीते 24 घंटे में बांध का जलस्तर करीब 39 इंच बढ़ गया। जंगल क्षेत्र से बांध में करीब 4 हजार घनमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पानी पहुंच रहा है। बारिश का दौर जारी रहने पर बांध के गेट खोले जा सकते हैं। वर्तमान में बरगी बांध का जलस्तर 417.20 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि अधिकतम जलस्तर 422.76 मीटर है। बांध करीब 57 फीसदी भर चुका है। पिछले साल 10 अगस्त तक जलस्तर 419.15 मीटर था।

प्रबंधन के अनुसार 15 अगस्त तक बारिश इसी तरह जारी रही तो गेट खोलने की स्थिति बन सकती है।

जबलपुर में बारिश का आंकड़ा 346.1 मिमी

जिले में इस बार अब तक 346.1 मिमी यानी 13.62 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि तक 772.3 मिमी यानी 30.40 इंच बारिश हो चुकी थी। रविवार को शहर में इस सीजन की पहली अच्छी रिमझिम बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट के साथ मौसम में ठंडक घुल गई। पश्चिमी हवा सक्रिय होने के कारण अगले 24 घंटे में जिले में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है।

अमरकंटक-पवन सहित कई ट्रेनें एक घंटे थमीं

रेलवे फाटक में ट्रैक्टर-ट्रॉली फंसी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल में सालीचौका रेलवे फाटक 251 स्पेशल पर सोमवार को मूंग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रेलवे ट्रैक पर फंस गई। ट्रॉली का हिच टूटने के कारण वह ट्रैक के बीचों-बीच अटक गई। घटना के बाद रेलवे यातायात प्रभावित हुआ और अमरकंटक एक्सप्रेस, पवन एक्सप्रेस व दानापुर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को करीब एक घंटे तक रोकना पड़ा। समय रहते जेसीबी की मदद से ट्रॉली को ट्रैक से हटाया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बताया गया कि सोमवार 10 अगस्त को मूंग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सालीचौका रेलवे फाटक 251 स्पेशल से गुजर रही थी। फाटक पार करते समय ट्रॉली का हिच अचानक टूट गया और ट्रॉली रेलवे ट्रैक के बीच फंस गई। ट्रैक बाधित होने की सूचना मिलते ही रेलवे अमला मौके पर पहुंचा और जेसीबी की मदद से ट्रॉली को हटाने का काम शुरू किया गया।

गड्ढों के कारण हुई परेशानी

स्थानीय लोगों के अनुसार, रेलवे फाटक के बीच कई जगह बड़े गड्ढे हैं। इन्हीं गड्ढों के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली को फाटक पार करने में परेशानी हुई और इसी दौरान हिच टूट गया। ट्रॉली के ट्रैक पर फंसने के कारण दोनों दिशाओं में रेल यातायात प्रभावित हुआ। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ट्रॉली को हटाया जा सका और रेल यातायात सामान्य हुआ।

आधी रात पेट्रोल पंप पर डाका

कर्मचारियों को बंधक बनाकर 1 लाख लूटे

जबलपुर। बरेला-मंडला मार्ग पर मनेरी स्थित पेट्रोलपंप में रविवार की देर रात 2.30 बजे हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर धावा बोलकर सनसनी फैला दी। बिना नंबर की गहरे नीले रंग की स्कॉर्पियो में सवार होकर पहुंचे छह-सात बदमाशों ने तमंचे और रिवाल्वर लहराते हुए कर्मचारियों को बंधक बना लिया। एक कर्मचारी की जेब से करीब 10 हजार रुपये छीनने के बाद बदमाश उसे जबरन ऑफिस के भीतर ले गए और कैश बॉक्स में रखे करीब 85 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए।

वारदात अतुलित फिलिंग स्टेशन पर रात करीब ढाई बजे हुई। उस वक्त पेट्रोल पंप पर कर्मचारी लखन सोयाम और अभिषेक पटेल ड्यूटी पर थे। अचानक बिना नंबर की स्कॉर्पियो पेट्रोल पंप पर आकर रुकी। कर्मचारी जैसे ही वाहन में पेट्रोल डालने के लिए आगे बढ़े, तभी उसमें से छह-सात नकाबपोश बदमाश हथियार लहराते हुए बाहर निकल आए।

अचानक बदमाशों ने दबोचा

हथियार देखकर कर्मचारी सहम गए। बदमाशों ने लखन सोयाम को पकड़ लिया और उसकी जेब में रखे करीब 10 हजार रुपये निकाल लिए। साथी कर्मचारी अभिषेक पटेल ने खतरा भांपते ही दीवार फांदी और मौके से भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद बदमाश लखन को धमकाते हुए पेट्रोल पंप के ऑफिस तक ले गए। आरोपियों ने कांच के दरवाजे का लॉक तोड़ा और अंदर रखे कैश बॉक्स को निशाना बनाया। उसमें रखे करीब 85 हजार रुपये समेटे और हथियार लहराते हुए उसी स्कॉर्पियो में बैठकर फरार हो गए।

वारदात सीसीटीवी में कैद

पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाशों की पूरी करतूत रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में स्कॉर्पियो से उतरते हथियारबंद बदमाश और कर्मचारियों को धमकाने की घटनाएं कैद होने की बात सामने आई है। पुलिस अब इन्हीं फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है। वारदात की सूचना मिलते ही मनेरी पुलिस चौकी का बल और बीजाडांडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाले और जिले के अन्य थाना क्षेत्रों को भी आरोपियों के हुलिए तथा वाहन की जानकारी भेजी। संभावित ठिकानों पर दबिश और संदिग्ध मार्गों पर निगरानी शुरू कर दी गई है। आधी रात हथियारबंद बदमाशों की इस दुस्साहसिक वारदात से बरेला-मंडला मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

दहेज लोभियों ने विवाहिता को घर से निकाला

12 लाख दिए, फिर भी 20 लाख की मांग

जबलपुर। दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि शादी में मायके पक्ष की ओर से 12 लाख रुपये नकद और गृहस्थी का सामान देने के बावजूद पति, सास और ससुर ने 20 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग शुरू कर दी। मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट और प्रताड़ना के बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। बरेला थाना की गौर चौकी पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम हथबेला, थाना सिहोरा निवासी 30 वर्षीय आभा पटेल ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 14 फरवरी 2020 को ग्राम नीमखेड़ा निवासी अक्कू उर्फ आकाश पटेल के साथ दोनों परिवारों की सहमति से हुई थी। शादी के दौरान उसके पिता महेन्द्र पटेल ने ससुराल पक्ष की मांग पर 12 लाख रुपये नकद और गृहस्थी का सामान दिया था।

शादी के दो महीने बाद शुरू हुई मांग

आभा के मुताबिक शादी के करीब दो महीने बाद पति अक्कू उर्फ आकाश पटेल, ससुर नरेश पटेल और सास सुंदर बाई ने यह कहते हुए उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया कि मायके वालों ने दहेज कम दिया है। ससुराल पक्ष ने मायके से 20 लाख रुपये लाने की मांग की और उसे मायके भेज दिया। कुछ समय बाद जब वह वापस ससुराल पहुंची तो फिर से 20 लाख रुपये की मांग की जाने लगी। रुपये नहीं होने की बात कहने पर उसके साथ कथित तौर पर मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की गई।

बेटी के जन्म के बाद भी नहीं थमी प्रताड़ना

महिला ने बताया कि 22 जून 2022 को उसने बेटी को जन्म दिया। इसके बाद भी पति और ससुराल वालों का रवैया नहीं बदला। उस पर लगातार 20 लाख रुपये मायके से लाने का दबाव बनाया जाता रहा। प्रताड़ना से परेशान होकर वह 22 अक्टूबर 2025 को मायके चली गई थी। इसके बाद 1 जुलाई 2026 को बेटी और परिवार के सदस्यों के साथ ससुराल पहुंची, लेकिन पति, सास और ससुर ने कथित तौर पर 20 लाख रुपये नहीं लाने की बात कहते हुए उसे धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति आकाश पटेल, ससुर नरेश पटेल और सास सुंदर बाई के खिलाफ धारा 85, 296(बी), 351(2), 3(5) बीएनएस तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ओएफके में गुरुद्वारे के पास दिखा तेंदुआ

जबलपुर। आयुध निर्माणी खमरिया के आवासीय परिसर ईस्ट लेंड में गुरुद्वारे के पास सोमवार को तेंदुआ चहलकदमी करता दिखाई दिया। तेंदुए को देखकर आसपास मौजूद लोग कुछ देर के लिए ठिठक गए। क्षेत्र के लोगों ने उसकी गतिविधियों का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। खमरिया क्षेत्र में तेंदुओं की मौजूदगी पहले भी सामने आती रही है, लेकिन आबादी वाले इलाके में उनके दिखाई देने से लोगों में चिंता बनी रहती है। बताया जाता है कि निर्माणी क्षेत्र में लंबे समय से तेंदुओं की मौजूदगी है और इनकी संख्या बढ़ने की भी बात सामने आ रही है। अब तक तेंदुओं द्वारा किसी हिंसक घटना की जानकारी नहीं है, फिर भी उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति को देखते हुए रहवासी सतर्क रहते हैं। यूनियनों की ओर से चिंता जताए जाने के बाद आयुध निर्माणी प्रबंधन ने अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे रखवाए हैं, लेकिन अभी तक कोई तेंदुआ इनमें नहीं फंसा है। प्रबंधन की ओर से वन विभाग को कई बार पत्र भेजे जाने की बात भी कही गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240